Blue Book Series

NIYASHI

बूस्टर सामान्य ज्ञान

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक पुस्तक

BEST **2500+**

टॉपिक वाइज प्रश्न

(हिंदी)

- सामान्य ज्ञान की आधारभूत क़िताब
- नवीनतम पैटर्न पर आधारित MCQs
- पिछले वर्ष के अच्छे प्रश्न शामिल
- स्वयं के बनाए MCQs शामिल

Placement for QR Code

प्रतीक शिवालिक

पृष्ठ संख्या

1. प्राचीन इतिहास **1-18**

प्रागैतिहासिक काल

सिंधु घाटी सभ्यता

वैदिक काल तथा महाजनपद

बौद्ध धर्म

जैन धर्म

मौर्य साम्राज्य

मौर्योत्तर काल

गुप्त काल

गुप्तोत्तर काल

चेर, चोल और पांड्य

क्षेत्रीय राज्य

2. मध्यकालीन इतिहास **19-35**

दिल्ली सल्तनत

मुगल साम्राज्य

उत्तरवर्ती मुगल

धार्मिक आंदोलन

दक्षिणी राजवंश

3. आधुनिक भारत का इतिहास **36-60**

1857 की क्रांति

सामाजिक धार्मिक आंदोलन

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना

राष्ट्रीय आंदोलन (1885 - 1919)

राष्ट्रीय आंदोलन (1919 - 1939)

स्वतंत्रता से विभाजन तक (1939 - 1947)

वायसराय और गवर्नर

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य

आधुनिक भारत के इतिहास के अन्य आयाम

आजादी के बाद का भारत

4. कला और संस्कृति **61-66**

वास्तुकला और मूर्तिकला

मंदिर

भारतीय चित्रकला

संगीत

नृत्य

मेले और त्यौहार

भाषा और साहित्य

5. विश्व का भूगोल **67-86**

ब्रह्मांड और सौर मंडल

जैवभूगोल

जलवायु विज्ञान

समुद्र विज्ञान

मानचित्रण

विश्व अर्थव्यवस्था और मानव भूगोल

6. भारत का भूगोल **87-109**

भारत का भौतिक विभाजन

भारतीय नदियाँ और जल संसाधन

मृदाएँ

भारत में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें

भारतीय वनस्पति और जीव

खनिज और ऊर्जा संसाधन

भारत की जलवायु

जनगणना

परिवहन और संचार

7. भारतीय अर्थव्यवस्था **110-130**

राष्ट्रीय आय लेखांकन

मुद्रा और बैंकिंग

भारतीय रिजर्व बैंक

विदेशी क्षेत्र और मुद्रा विनिमय दर

सरकार द्वारा पहल
आधारभूत संरचना
औद्योगिक क्षेत्र
व्यष्टि अर्थशास्त्र
कृषि
पंचवर्षीय योजना

8. भारतीय राजव्यवस्था और संविधान..... 131-157

भारतीय संविधान की मूल बातें
केंद्र सरकार
राज्य सरकार
स्थानीय सरकार
न्यायपालिका
अन्य राजनीतिक आयाम
संवैधानिक निकाय
गैर-संवैधानिक या सांविधिक निकाय

9. भौतिक विज्ञान..... 158-165

इकाइयाँ और मापन
गति और गुरुत्वाकर्षण के नियम
कार्य, शक्ति और ऊर्जा
दाब, बल और पृष्ठ तनाव
तरंगें और ऊष्मा स्थानांतरण
विद्युत और चुंबकत्व

10. रसायन विज्ञान..... 166-172

रसायन विज्ञान की मूल बातें
परमाणु संरचना और आवर्त सारणी
अम्ल, क्षार, लवण और रासायनिक अभिक्रियाएँ
कार्बनिक रसायन विज्ञान
दैनिक जीवन में रसायन विज्ञान

11. जीवविज्ञान..... 173-179

कोशिका
जैव अणु
वनस्पति विज्ञान
जीव विज्ञान
मानव शरीर

12. पर्यावरण और पारिस्थितिकी..... 180-184

पारिस्थितिक तंत्र
पर्यावरण प्रदूषण
पर्यावरण आंदोलन
अंतर्राष्ट्रीय संगठन, कानून और सम्मेलन
राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य और बाघ अभयारण्य

13. कंप्यूटर जागरूकता..... 185-186

कंप्यूटर

14. विविध..... 187-212

बजट 2023
इंडेक्स और रिपोर्ट
पुरस्कार और सम्मान
राष्ट्रीय मामले
विज्ञान और प्रौद्योगिकी
खेल
सरकार की नीतियां और योजनाएं
प्रसिद्ध लोग और स्थान
दिन और घटनाएँ
पुस्तकें और लेखक
विश्व संगठन और भारतीय संस्थान
राजधानियाँ और मुद्राएँ

CHAPTER: 1

प्राचीन इतिहास

प्रागैतिहासिक काल

1. निम्नलिखित में से कौन-सा कश्मीर घाटी में नवपाषाण स्थल *नहीं* है?
A) महगड़ा B) बुर्जहोम
C) गुफकराल D) ओलचिबाग

2. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में व्यवस्थित जीवन की शुरुआत नवपाषाण चरण के बजाय ताम्रपाषाण से जुड़ी है?
1. राजस्थान
2. मालवा
3. उत्तरी दक्कन
4. गुजरात
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।
A) 1, 2, 3 और 4 B) 1 और 2
C) 3 और 4 D) उपरोक्त में कोई नहीं।

3. नवपाषाण स्थल दाओजली हैडिंग किस क्षेत्र में स्थित है?
A) उत्तरी कछार पहाड़ियाँ B) मिश्मी पहाड़ियाँ
C) अबोर पहाड़ियाँ D) मिजो पहाड़ियाँ

4. निम्नलिखित में से किस काल में शुतुरमुर्ग भारत में पाए गए थे?
A) मध्य पाषाण काल B) ताम्र युग
C) नव पाषाण काल D) पुरापाषाण काल

5. पूर्व पाषाण काल के लोग मुख्य रूप से _____ थे।
A) व्यापारी B) खाद्य संग्राहक
C) किसान D) इनमें से कोई भी नहीं

6. महाराष्ट्र में 600,000 वर्ष पुराना _____ प्रारंभिक पूर्व पुरापाषाण स्थल माना जाता है।
A) सीताबुल्दी B) अजंता
C) कन्हेरी D) बोरी

7. मेगालिथ(महापाषाण) को बनाने की प्रथा _____ वर्षों पहले शुरू हुई।
A) 2500 B) 1000
C) 1500 D) 3000

8. मध्यपाषाण काल के दौरान पाए जाने वाले पत्थर के औजार आमतौर पर छोटे होते हैं और इन्हें कहा जाता है:
A) द्विपार्श्वीय B) माइक्रोब्लेड
C) लघुपाषाण D) लघुपाषाणकालीन

9. मालवा संस्कृति निम्नलिखित में से किस युग/काल से संबंधित है?
A) पुरापाषाण काल B) नवपाषाण काल
C) कांस्य (युग)काल D) ताम्रपाषाण काल

10. भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे पहले होमिनिन जीवाश्म इनमें से किस स्थल पर पाए जा सकते हैं?
A) नर्मदा घाटी B) अमरावती
C) मेहरगढ़ D) बलूचिस्तान पहाड़

11. भारतीय उपमहाद्वीप के निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में प्रागैतिहासिक बसे हुए जीवन के प्रथम लक्षण प्रकट हुए?
A) तिरुवल्लुर, तमिलनाडु B) मेहरगढ़ नवपाषाण संस्कृति
C) भीमबेटका शैलाश्रय D) सरस्वती नदी के किनारे

12. निम्नलिखित में से कौन सा प्रारंभिक भारतीय पुरातत्व में प्रमुख काल का सही कालानुक्रमिक क्रम है?
1. पुरापाषाण
2. मध्यपाषाण
3. नवपाषाण
4. हड़प्पा सभ्यता
A) 3-2-1-4 B) 1-2-3-4
C) 1-3-2-4 D) 4-1-2-3

13. निम्नलिखित में से कौन सा मालवा और जोर्वे संस्कृति स्थल महाराष्ट्र में हैं?
(i) दैमाबाद
(ii) इनामगाँव
(iii) सेलबलगिरी
(iv) पायथोरलांगथेन
निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर चुनें:
A) (i) और (ii) B) (ii) और (iii)
C) (iii) और (iv) D) (ii) और (iv)

14. प्राचीन लोगों द्वारा खोजी और उपयोग की जाने वाली प्रथम धातु _____ _____थी।
A) कांस्य B) लोहा
C) तांबा D) टिन

15. इनामगाँव, एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल _____ नदी पर स्थित है।
A) ईंद्रायणी B) उल्हास
C) घोड D) कुकड़ी

16. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

ऐतिहासिक स्थान	जाने जाते हैं
1. मस्की	पालतू भेड़ और बकरियाँ
2. बुर्जहोम	घरेलू कुत्तों को उनके मालिकों के साथ दफनाया गया था
3. गुफकराल	गर्त के लिए प्रसिद्ध

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?
A) केवल 1 B) केवल 1और 2
C) केवल 2 और 3 D) 1, 2 और 3

17. भीमबेटका के चित्रों की खोज सर्वप्रथम किसने की?
A) श्री राम कृष्ण दास B) श्री रामचन्द्र शुक्ल
C) श्री वी. एस. वाकणकर D) श्री नन्द लाल बसु

18. भीमबेटका शैल चित्रों में निम्नलिखित में से कौन सी विषय वस्तु चित्रित **नहीं** की गई है?
A) पक्षियों का शिकार B) पशुओं का शिकार
C) खाद्यान्न पर निर्भर पक्षियों का बसेरा D) पक्षियों और पशुओं दोनों का शिकार

19. प्रागैतिहासिक युग में मानव कहाँ रहता था?
A) मचान पर B) कन्दरा में
C) झोपड़ी में D) इन सभी में

20. 'महापाषाण' है.....
A) मंदिर B) समाधियाँ
C) स्तूप D) विहार

सिंधु घाटी सभ्यता

21. निम्नलिखित में से मोहनजोदड़ो के खोजकर्ता कौन है?
A) जॉन मार्शल B) जेम्स प्रिंसेप
C) आर्चीबोल्ड कार्लाइल D) आर. डी. बनर्जी

22. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

	हड़प्पा स्थल		स्थान
a.	कालीबंगा	1.	पंजाब
b.	मोहनजोदड़ो	2.	राजस्थान
c.	हड़प्पा	3.	गुजरात
d.	सुरकोटदा	4.	सिंध

नीचे दिए गए कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनें:
A) a - 2, b - 4, c - 1, d - 3 B) a - 4, b - 1, c - 3, d - 2
C) a - 3, b - 2, c - 1, d - 4 D) a - 2, b - 3, c - 4, d - 1

23. निम्नलिखित सिंधु घाटी स्थलों में से किससे दोहरे शवाधान के साक्ष्य मिले हैं?
A) लोथल B) कालीबंगा
C) सुरकोटदा D) मोहनजोदड़ो

24. हड़प्पा स्थल लोथल कहाँ स्थित है?
A) महाराष्ट्र B) राजस्थान
C) लाहौर D) गुजरात

25. प्रागैतिहासिक काल के निम्नलिखित में से किस शहर में कपास उगाया जाता था?
A) राखीगढ़ी B) लोथल
C) कालीबंगा D) मेहरगढ़

26. हड़प्पा के किस स्थल से भूकंप के सबसे पुराने साक्ष्य मिलते हैं?
A) हड़प्पा B) धौलावीरा
C) मोहनजोदड़ो D) कालीबंगा

27. हड़प्पा की सिंधु घाटी सभ्यता के प्राचीन स्थल की खुदाई किसने की है?
A) मैथ्यू फील्ड B) डॉ. साहनी
C) आर. डी. बनर्जी D) एस. आर. राव

28. निम्नलिखित में से किस पुरातात्विक स्थल में 'बंदरगाह' पाया गया था?
A) मोहनजोदड़ो B) कालीबंगा
C) लोथल D) हड़प्पा

29. निम्नलिखित में से किस सिंधु घाटी सभ्यता स्थल में 'विशाल स्नानागार' की खोज की गई थी?
A) लोथल B) कालीबंगा
C) मोहनजोदड़ो D) बनावली

30. सिंधु घाटी सभ्यता एक _____ युग की सभ्यता थी।
A) तांबा B) लोहा
C) कांस्य D) पत्थर

31. सिंधु घाटी सभ्यता निम्नलिखित में से किस प्रकृति की थी?
A) आद्य-नगरीय B) नगरीय
C) नगरीय ग्रामीण D) ग्रामीण

32. निम्नलिखित में से हड़प्पा संस्कृति का नवीनतम उत्खनन स्थल कौन-सा है?
A) मोहनजोदड़ो B) रोपड़
C) धौलावीरा D) कालीबंगा

33. सिंधु घाटी सभ्यता के लिए अज्ञात धातु कौन-सी थी?
A) सोना B) लोहा
C) चांदी D) तांबा

34. मोहनजोदड़ो के स्थल पर प्राप्त नृत्यांगना और दाढ़ी वाले व्यक्ति की मूर्ति किस पदार्थ से बनी है?
A) क्रमशः मिट्टी और कांस्य B) क्रमशः तांबे और सेलखड़ी
C) क्रमशः कांस्य और सेलखड़ी D) क्रमशः सेलखड़ी और कांस्य

35. हड़प्पा सभ्यता की घरेलू वास्तुकला के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।
1. सीढ़ियों के खंडहर इस बात का सबूत/साक्ष्य हैं कि कुछ संरचनाएं और इमारतें बहुमंजिला हैं।
2. हड़प्पावासी अपनी गोपनीयता को लेकर चिंतित थे क्योंकि जमीनी स्तर पर दीवारों पर कोई खिड़की/रोशनदान नहीं है।
3. लोथल में जहाँ मिट्टी की ईंटों से घर बनाए गए थे, वहीं पकी हुई ईंटों से नालियां बनाई गई थीं।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
A) केवल 1 और 2 B) केवल 1 और 3
C) केवल 2 और 3 D) 1, 2 और 3

36. निम्नलिखित में से किसने हड़प्पावासियों को ताँबा प्रदान किया था?
A) कर्नाटक B) राजस्थान
C) आंध्र प्रदेश D) गुजरात

37. सिंधु घाटी सभ्यता का निम्नलिखित में से कौन सा स्थल पंजाब (भारत) में स्थित है?
A) बनावली B) बालू
C) कोट दीजी D) रोपड़

38.
सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. लोथल और कालीबंगा से टेराकोटा मादा आकृतियाँ मिली हैं
2. हड़प्पा में एक नग्न पुरुष आकृति का लाल बलुआ पत्थर का धड़ मिला
3. कालीबंगा और लोथल दोनों तटीय/बंदरगाह शहर थे
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
A) केवल 1 और 2 B) केवल 3
C) केवल 2 और 3 D) 1, 2 और 3

39. किस हड़प्पा स्थल पर नहर के अवशेष मिले हैं?
A) कालीबंगा B) शोरतुग़ई
C) चन्हुदड़ो D) धौलावीरा

40. सिंधु घाटी स्थलों पर निम्नलिखित में से किस जानवर के कंकाल की खोज नहीं की गई थी?
A) सूअर B) बाघ
C) भेड़ D) भैंस

वैदिक काल तथा महाजनपद

41. अलवार किस भारतीय देवता के भक्त थे?
A) शक्ति B) शिव
C) विष्णु D) ब्रह्मा

42. निम्नलिखित में से किस महाजनपद की राजधानी वैशाली थी?
A) पांचाल B) वज्जि
C) मगध D) अवन्ती

43. निम्नलिखित में से कौन वैदिक परंपरा के द्विज वर्णों में शामिल नहीं था?
A) शूद्र B) क्षत्रिय
C) वैश्य D) ब्राह्मण

44. भारत के प्रथम साम्राज्य निर्माता के रूप में किसे जाना जाता है?
A) गुप्त B) नंद
C) मौर्य D) शुंग

45. इनमें से कौन सा राजा मगध साम्राज्य से संबंधित नहीं है?
A) बिम्बिसार B) अजातशत्रु
C) राजाधिराज D) महापद्म नंद

46. पश्चिम से पूर्व की ओर महाजनपदों का सही क्रम क्या है?
A) अवंति, वत्स, चेदि, अंग, मगध B) चेदि, वत्स, अवंति, मगध, अंग
C) अवंती, चेदि, वत्स, मगध, अंग D) वत्स, अवंति, अंग, चेदि, मगध

47. इनमें से कौन सा वर्ण भारतीय समाज का हिस्सा नहीं था?
A) वैश्य B) क्षत्रिय
C) शूद्र D) वाल्स्विक

48. शास्त्रीय भारतीय संगीत का उद्गम निम्नलिखित में से किसमें हुआ है?
A) ऋग्वेद B) सामवेद
C) अथर्ववेद D) यजुर्वेद

49. पंच-चिह्नित सिक्कों के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

A) ये आम तौर पर आयताकार या कभी-कभी चौकोर या गोल आकार के होते थे
B) सिक्के उत्कीर्ण नहीं थे
C) वे या तो धातु की चादरों से काटे गए थे या चपटे धातु के गोले से बने थे
D) ये सिक्के मध्य शताब्दी ईस्वी तक प्रचलन में रहे

50. ऊँची जाति की दुल्हन और निचली जाति के दूल्हे की शादी को किस रूप में जाना जाता है?
A) असुर विवाह
B) अनुलोम विवाह
C) प्रतिलोम विवाह
D) इनमे से कोई भी नहीं

51. निम्नलिखित में से कौन सी कोसल राज्य की राजधानी थी?
A) वाराणसी
B) उज्जैन
C) श्रावस्ती
D) कौशाम्बी

52. ऋग्वेद में उल्लिखित 'मृधार-वाच' का निम्नलिखित में से किस की ओर संकेत है?
A) वह जो बलि देता है
B) वह जो बलि नहीं देता है
C) वह जो प्रकृति की पूजा करता है
D) वह जो पत्थर की पूजा करता है

53. 'गोत्र' की रीति, _____ काल में प्रकट हुई।
A) उत्तर वैदिक
B) प्रारंभिक वैदिक
C) मौर्य
D) पूर्व वैदिक

54. किस वेद में इंद्र, जिन्हें नगरों को नष्ट करने वाला बताया गया है, की स्तुति में लगभग 250 सूक्त हैं?
A) ऋग्वेद
B) अथर्ववेद
C) सामवेद
D) यजुर्वेद

55. निम्नलिखित में से कौन 16 महाजनपदों में से एक नहीं है?
A) कोसल
B) अंग
C) कुरु
D) कामरूप

56. प्रारंभिक वैदिक काल में _____ को सबसे मूल्यवान अधिकार माना जाता था।
A) भूमि
B) सोना
C) पशु
D) चाँदी

57. प्रारंभिक वैदिक काल के दौरान दो सभाएं कौनसी थीं?
A) समिति
B) सभा
C) समिति और सभा
D) न तो 1 और न ही 2

58. ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद संयुक्त रूप से कहलाते हैं?
A) संहिता
B) स्मृति
C) वेदत्रयी
D) वेदांग

59. किस वेद में गायत्री मंत्र समाहित है?
A) सामवेद
B) ऋग्वेद
C) यजुर्वेद
D) अथर्ववेद

60. सोलह महाजनपदों में मगध प्रथम क्यों था?
A) खेती की पैदावार अच्छी होना
B) लोहे की खदानें होना
C) जंगली हाथी का उपलब्ध होना
D) उपरोक्त सभी

61. ऋग्वेद में लगभग एक हजार सूक्त हैं जिन्हें__ कहा जाता है।
A) मुक्त
B) सूक्त
C) शक्ति
D) मंत्र

62. हर्यंक वंश का संस्थापक कौन था ?
A) अजातशत्रु
B) चंद्रगुप्त मौर्य
C) बिम्बिसार
D) महापद्म नंदा

63. निम्नलिखित में से कौन मगध की सफलता के कारण हैं:
1. प्रचुर मात्रा में लौह अयस्क की उपलब्धता।
2. इसकी राजधानियाँ रणनीतिक बिंदुओं में स्थित हैं।
3. मगध समाज का रूढ़िवादी चरित्र।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
A) केवल 1 और 2
B) 2 और 3 केवल
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

64. निम्नलिखित में से कौन से यज्ञ थे जो वैदिक युग के दौरान किए गए थे?
1. व्रत्यस्तम यज्ञ
2. अश्वमेध यज्ञ
3. राजसूय यज्ञ
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
A) 1 और 2
B) 2 और 3
C) 1 और 3
D) ये सभी

65. वैदिक काल में चिनाब नदी को किस नाम से जाना जाता था?
A) परुष्णि
B) शतुद्री
C) वितस्ता
D) अस्किनी

66. प्रारंभिक वैदिक काल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. ऋग्वैदिक समाज मातृसत्तात्मक था और समाज की मूल इकाई ग्राम थी।
2. ऋग्वैदिक काल में, बाल विवाह प्रचलित था जबकि सती प्रथा अनुपस्थित थी।
ऊपर दिए गए निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?
A) केवल 1
B) केवल 2
C) 1 और 2 दोनों
D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

67. ऋग्वेद में गाय का उल्लेख कितनी बार हुआ है?
A) 123
B) 156
C) 176
D) 195

68. ऋग्वेद के निम्नलिखित मंडलों को उनकी विशेषताओं के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची 1	**सूची** 2
A. तृतीय मंडल	1. दशराज्ञ युद्ध
B. सप्तम मंडल	2. सोमा
C. नवम मंडल	3. गायत्री मंत्र
D. दशम मंडल	4. पुरुषसूक्त

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
A) A-3, B-1, C-2, D-4
B) A-3, B-1, C-4, D-2
C) A-1, B-3, C-2, D-4
D) A-1, B-3, C-4, D-2

69. वैदिकोत्तर समाज के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है?
A) यज्ञों में श्रौत के बतौर केवल पत्नी ही स्वतंत्र रूप से भाग ले सकती थी।
B) कुछ ग्रंथों के अनुसार यज्ञों में पत्नी की अनुपस्थिति में उसके स्थान पर सोने या घास का कोई पुतला प्रयुक्त किया जा सकता था।
C) मासिक धर्म वाली किसी पत्नी/महिला को यज्ञ में भाग लेने की मान्यता नहीं थी।
D) केवल विवाहित व्यक्ति ही अपनी वैध पत्नी के साथ किसी यज्ञ में यजमान बन सकता था।

बौद्ध धर्म

70. प्रसिद्ध सांची स्तूप, अशोक की स्थापत्य कला का एक नमूना, कहाँ स्थित है?
A) बिहार
B) उत्तर प्रदेश
C) मध्यप्रदेश
D) उड़ीसा

71. निम्नलिखित में से कौन गौतम बुद्ध का समकालीन था?
A) नागार्जुन
B) कनिष्क
C) कौटिल्य
D) महावीर

72. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
I. वर्धमान महावीर जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर थे।
II. बुद्ध ने शिक्षा दी कि कर्म का हमारे जीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
A) केवल II
B) I और II दोनों
C) केवल I
D) न तो I न ही II

73. निम्नलिखित में से कौन-सा चार आर्य सत्य की अवधारणा से जुड़ा था?
A) जैन धर्म
B) शैव धर्म
C) हिंदू धर्म
D) बौद्ध धर्म

74. गौतम बुद्ध के पिता किस राज्य के एक प्राचीन क़बीले के मुखिया थे?

A) कपिलवस्तु B) लिच्छवी
C) अवंती D) लुंबिनी

75. गौतम बुद्ध कहाँ पैदा हुए थे?
A) कपिलवस्तु में B) लुम्बिनी में
C) सारनाथ में D) इलाहाबाद में

76.
बुद्ध के पिछले जन्म की कहानियाँ निम्नलिखित में से किस प्रकार के पाठ में निहित हैं?
A) अंग B) पिटक
C) निकाय D) जातक

77. गौतम बुद्ध को ज्ञान किस नदी के तट पर प्राप्त हुआ था?
A) गंगा B) गंडक
C) पुनपुन D) निरंजना

78.
निम्नलिखित में से कौन बौद्ध संगीतियों के बारे में सही है?
A) आनंद पहली बौद्ध संगीति के अध्यक्ष थे। B) दूसरी बौद्ध संगीति 383 ईसा पूर्व सारनाथ में आयोजित की गई थी।
C) तीसरी बौद्ध संगीति के अंत में, मोग्लीपुट्ट तिस्सा ने एक पुस्तक, कथावट्टू की रचना की। D) द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन राजा अशोक के शासनकाल में हुआ था।

79. बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति कहाँ हुई थी?
A) कुशीनगर B) लुम्बिनी
C) सारनाथ D) बोध गया

80. बुद्ध का क्या अर्थ है?
A) प्रबुद्ध B) शक्तिशाली
C) प्रतिभा D) धार्मिक उपदेशक

81. एक प्रसिद्ध बौद्ध ग्रंथ है?
A) दीघनिकाय B) सामवेद
C) आगम D) उपनिषद

82. निम्नलिखित में से वह कवि कौन हैं, जिन्होंने बुद्ध की जीवनी, 'बुद्धचरित' की रचना की थी?
A) अश्वघोष B) भवभूति
C) वसुमित्र D) नागार्जुन

83. बुद्ध की शिक्षाओं का सबसे पुराना संग्रह किस भाषा में है?
A) संस्कृत B) मागधी
C) प्राकृत D) पाली

84. द्वितीय बौद्ध संगीति किसके शासनकाल के दौरान आयोजित की गई थी?
A) उदयभद्र B) कालाशोक
C) शिशुनाग D) महापद्म नंद

85. बौद्ध वास्तुकला मुख्यतः तीन प्रमुख प्रकार के भवनों द्वारा प्रस्तुत की जाती है, जिनमें से चैत्य हॉल का उपयोग निम्न के रूप में किया जाता है:
A) न्यायालय B) मठ
C) संगीत कक्ष D) पूजा स्थल

86. बुद्ध के जीवन की घटनाओं और प्रतीकों पर विचार करें:

	बुद्ध के जीवन की घटनाएँ	**प्रतीक**
(1)	जन्म	कमल
(2)	महाभिनिष्क्रमण	पदचिन्ह
(3)	संबोधि	बोधिवृक्ष
(4)	महापरिनिर्वाण	स्तूप

ऊपर दिए गए कितने युग्म सही सुमेलित हैं?
A) 1 B) 2
C) 3 D) 4

87. सुत्त पिटक और विनय पिटक का संकलन किस बौद्ध संगीति के अंतर्गत किया गया था?
A) प्रथम बौद्ध संगीति B) द्वितीय बौद्ध संगीति
C) तृतीय बौद्ध संगीति D) चतुर्थ बौद्ध संगीति

88. बुद्ध की शिक्षाएँ _____ में संकलित हैं।
A) अभिधम्म पिटक B) सुत्त पिटक
C) विनय पिटक D) वैपुल्य सूत्र

89. बुद्ध ने अपना पहला उपदेश कहाँ दिया था?
A) लुम्बिनी B) सारनाथ
C) सांची D) गया

जैन धर्म

90. जैन परंपरा के अनुसार वर्धमान महावीर _____ तीर्थंकर थे।
A) 25वें B) 24वें
C) 23वें D) 26वें

91. स्थूलबाहु द्वारा पहली जैन परिषद कहाँ बुलाई गई थी?
A) काशी B) वैशाली
C) वल्लभी D) पाटलिपुत्र

92. निम्नलिखित में से कौन जैनियों का पवित्र ग्रंथ **नहीं** है?
A) आगम B) कल्प सूत्र
C) निर्युक्ति D) त्रिपिटक

93. निम्नलिखित में से कौन अपने जीवन के अंत में जैन धर्म का अनुयायी बन गया?
A) कुणाल B) चंद्रगुप्त मौर्य
C) अशोक D) बिन्दुसार

94. चौथे जैन तीर्थंकर कौन थे?
A) ऋषभदेव B) पार्श्वनाथ
C) अभिनंदननाथ D) महावीर

95. प्रथम जैन सभा का आयोजन कहाँ किया गया था?
A) पाटलिपुत्र B) वैशाली
C) राजगृह D) वल्लभी

96. जैन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण मौलिक सिद्धांत क्या माना जाता है?
A) कर्म B) अहिंसा
C) निष्पक्षता D) निष्ठा

97. जैन दर्शन में 'पंच महाव्रत' हैं-
A) सत्य, अहिंसा, ज्ञान, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य B) धर्म, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य
C) सत्य, विवेक, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य D) सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य

98. निम्नलिखित में से कौन सा कथन जैन धर्म के संबंध में सत्य है/हैं।
(A) जैन शब्द जीना शब्द से आया है, जिसका अर्थ है विजेता।
(B) जैनों के अंतिम और 24वें तीर्थंकर, वर्धमान महावीर हैं।
(C) वह लिच्छवियों के ब्राह्मण थे।
A) केवल B B) केवल A और C
C) केवल A और B D) ये सभी

99. वर्धमान महावीर किस वंश से संबंधित थे?
A) लिच्छवी B) हर्यंक
C) शाक्य D) सातवाहन

100. महावीर जैन ने किस भाषा में अपना प्रवचन दिया?
A) पाली B) मागधी
C) सूरसेनी D) अर्द्धमागधी

101. जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ निम्नलिखित में से किस स्थान से संबंधित थे?
A) वाराणसी B) प्रयागराज
C) गोरखपुर D) उपरोक्त में से कोई नहीं

102. निम्नलिखित में से कौन एक प्रारंभिक जैन साहित्य का हिस्सा नहीं है?

A) बृहतकल्पसूत्र B) आचारांगसूत्र
C) थेरीगाथा D) सूत्रकृतांग

103. निम्नलिखित में से कौन प्रारंभिक मध्यकाल में जैन धर्म का केंद्र नहीं था?
A) एलोरा B) नागपट्टनम
C) दिलवाड़ा D) श्रवणबेलगोला

104. जैन त्रिरत्नों में क्या सम्मिलित नहीं है?
A) सम्यक् दर्शन B) सम्यक् स्मृति
C) सम्यक् ज्ञान D) सम्यक् चरित्र

105. जैन धर्म के पहले तीर्थंकर ऋषभनाथ माने जाते हैं, जिनका जन्म _____ में हुआ था।
A) पाटलिपुत्र B) अयोध्या
C) वैशाली D) वाराणसी

106. जैन परंपरा के अनुसार भगवान महावीर से पहले कितने अन्य गुरु या तीर्थंकर थे?
A) 12 B) 23
C) 56 D) 54

107. थेरीगाथा के संबंध में कौन सा कथन सत्य है?
I. यह सुत्त पिटक का हिस्सा है।
II. इसमें भिक्खुनियों द्वारा रचित छंदों का संकलन किया गया है।
III. यह विनय पिटक का हिस्सा है।
IV. इसमें महिलाओं के सामाजिक और आध्यात्मिक अनुभवों के बारे में अंतर्दृष्टि मिलती है।
A) I, II, III B) I, II, IV
C) II, III, IV D) I, III, IV

108. जैन कल्पसूत्र की रचना किसने की थी?
A) कात्यायन B) बुद्धघोष
C) नागसेन D) भद्रबाहु

109. वल्लभी में आयोजित जैन सभा की अध्यक्षता किसने की थी?
A) नागार्जुन B) कुन्दकुन्द
C) सम्यक् ज्ञान D) सम्यक् चरित्र

मौर्य साम्राज्य

110. निम्नलिखित में से क्या अशोक के धम्म के सिद्धांत नहीं हैं?
A) बौद्ध धर्म का प्रचार B) पूजा
C) बलिदान D) उपरोक्त सभी

111. निम्नलिखित में से किसने, दास व्यवस्था नहीं होने के लिए, भारतीय समाज की गलती से सराहना की थी?
A) प्लिनी द एल्डर B) मेगस्थनीज
C) टॉलमी D) डीमेकस

112. _____ मौर्य साम्राज्य की राजधानी थी।
A) मगध B) पाटलिपुत्र
C) नालंदा D) तक्षशिला

113. निम्नलिखित में से कौन सा पहला शासक था, जिसने अपने संदेश को प्राकृत में शिलालेखों के माध्यम से लोगों तक ले जाने का प्रयास किया था?
A) राजराजा चोल B) चंद्रगुप्त
C) बिंदुसार D) अशोक

114. विश्व के इतिहास में एकमात्र ऐसा राजा कौन है, जिसने युद्ध जीतने के बाद विजित क्षेत्र का त्याग किया था?
A) औरंगजेब B) चंद्रगुप्त
C) टीपू सुल्तान D) अशोक

115. मौर्य पाषाण स्तंभों के सबसे ऊपरी भाग पर निम्न में से किन आकृतियों को उकेरा गया है?
A) देवी माँ B) जानवर
C) बुद्ध D) बोधि वृक्ष

116. मौर्य शासन व्यवस्था मे 'तीर्थ' का अर्थ क्या है?
A) समिति B) प्रशासनिक विभाग
C) धर्म स्थल D) तीर्थ स्थल पर लिया जाने वाला कर

117. मौर्य साम्राज्य _____ युग के दौरान विकसित हुआ और फला-फूला।
A) लौह B) कास्य
C) पाषाण D) ताम्र

118. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र पर चंद्रगुप्त मौर्य ने कब्जा नहीं किया था?
A) कर्नाटक B) महाराष्ट्र
C) कलिंग D) आंध्र

119. सिंह स्तंभ शीर्ष (लायन कैपिटल) के रूप में प्रसिद्ध सारनाथ में पाए जाने वाले मौर्य स्तंभ पर _____ की आकृति नहीं थी।
A) हाथी B) गाय
C) घोड़ा D) बैल

120. बोधगया और बोधि वृक्ष के लिए अशोक की पहली धम्म यात्रा का वर्णन किस शिलालेख में है?
A) प्रमुख शिलालेख 6 B) प्रमुख शिलालेख 9
C) प्रमुख शिलालेख 8 D) प्रमुख शिलालेख 3

121. अशोक के अभिलेखों को किस प्रकार विभाजित किया गया है?
A) भूमि अनुदान और मठवासी दान B) शिलालेख, स्तंभलेख और गुफा अभिलेख
C) शिलालेख और ताम्रपत्र अभिलेख D) स्तंभलेख और गुफा अभिलेख

122. मौर्य वंश के अंतिम शासक कौन थे?
A) बृहद्रथ B) कालाशोक
C) उदयिन D) इनमें से कोई भी नहीं

123. मौर्य काल में समाहर्ता का अर्थ है
A) सेना नायक B) गोदाम का प्रमुख अभिरक्षक
C) प्राक्कलन और संग्रहण का प्रभारी अधिकारी D) वन अधिकारी

124. राजा अशोक पर दिए गए A, B, C कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए।
A. अशोक एक प्रसिद्ध मगध शासक थे।
B. अशोक के अभिलेख पाली भाषा और ब्राह्मी लिपि में थे।
C. अशोक अकेले एक ऐसे राजा थे जिन्होंने युद्ध जीतने के बाद विजित प्रदेश का त्याग कर दिया।
A) A, B तथा C सभी सही हैं। B) A, B सही हैं तथा C गलत है।
C) A, B गलत हैं तथा C सही है। D) A, C गलत हैं तथा B सही है।

125. मेगस्थनीज ने निम्नलिखित में से किस मौर्य नगर के प्रशासन का विवरण दिया है?
A) पाटलिपुत्र B) प्रयाग
C) तोसली D) उज्जयिनी

126. अशोक के अभिलेख विभिन्न लिपियों का उपयोग करके स्तंभ की दीवारों पर लिखे गए शिलालेखों का संग्रह है। इन शिलालेखों में किस लिपि का प्रयोग नहीं किया गया था?
A) ब्राह्मी B) खरोष्ठी
C) इब्रानी D) नागरी

127. कौटिल्य की आंतरिक राज्य व्यवस्था, विजीगीषु के अनुसार निम्नलिखित में से अरि का अर्थ क्या है?
A) शत्रु राजा B) तटस्थ राजा
C) मध्य राजा D) मित्र राजा

128. 'धम्म' मौर्य राजा अशोक द्वारा प्रयुक्त _____ शब्द है।
A) पाली B) प्राकृत
C) संस्कृत D) अपभ्रंश

129. निम्नलिखित में से किस भाषा में अशोक के अभिलेख लिखे गए थे?
A) ब्राह्मी और खरोष्ठी B) प्राकृत, यूनानी और आरामाईक
C) संस्कृत, पाली और हिंदी D) फारसी और यूनानी

मौर्योत्तर काल

130. किस कुषाण शासक ने अपने साम्राज्य का विस्तार बिहार तक किया था ?
A) विम कडफिसेस B) कनिष्क
C) सदाशकाना D) कुजुल कडफिसेस

131. निम्नलिखित सातवाहन राजाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित किजिए।
(i) श्री यज्ञ शातकर्णी
(ii) गौतमीपुत्र शातकर्णी
(iii) श्री शातकर्णी
(iv) सिमुख
निम्नलिखित कूटों में से उत्तर का चयन कीजिए:
A) (i), (iii), (iv), (ii) B) (ii), (iv), (i), (iii)
C) (iii), (iv), (ii), (i) D) (iv), (iii), (ii), (i)

132. सातवाहन काल के महत्व के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
1. भूमि अनुदान देना सातवाहन काल का एक महत्वपूर्ण विकास था।
2. इन अनुदानों के लाभार्थी मुख्यतः बौद्ध ही थे।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही कूट का चयन करें
A) केवल 1 B) केवल 2
C) 1 और 2 दोनों D) न तो 1 और न ही 2

133. सातवाहनों ने कितने प्रकार की धातुओं के सिक्के ढाले?
A) दो B) तीन
C) चार D) पाँच

134. कण्व वंश का संस्थापक कौन था?
A) पुष्यमित्र B) देवभूति
C) कनिष्क D) वासुदेव

135. व्यापारी एक स्थान से दूसरे स्थान को माल लेकर जाते समय 'समूह' में चलते थे, उन्हें _____ कहा जाता था।
A) पणितव्य B) श्रेष्ठि
C) सार्थ D) औदरिका

136. प्राकृत निम्नलिखित में से किस राजवंश की राजभाषा थी?
A) नंद राजवंश B) सातवाहन राजवंश
C) शिशुनाग राजवंश D) हर्यक राजवंश

137. निम्नलिखित में से कौन सी कलाकृतियाँ शुंग काल की हैं?
A) भरहुत स्तूप B) साँची स्तूप
C) गरुड़ स्तंभ D) ये सभी

138. यूनानी राजदूत हेलियोडोरस किस शुंग शासक के शासनकाल में भारत आया था?
A) भगभाद्रा B) पुष्यमित्र शुंग
C) देवभूति D) देवदत्त

139. निम्नलिखित में से कौन शुंग वंश का संस्थापक था, जिसने अंतिम मौर्य सम्राट की हत्या कर अपना राज्य स्थापित किया था?
A) देवभूति B) पुष्यमित्र
C) भागभद्र D) अग्निमित्र

140. कदंब राजवंश आधुनिक _____ का एक प्राचीन शाही राजवंश था।
A) ओडिशा B) केरल
C) बिहार D) कर्नाटक

141. कनिष्क कुषाण वंश के एक प्रसिद्ध शासक थे, जिनके अधीन चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन किया गया था। कनिष्क मूल रूप से कहाँ के रहने वाले थे?
A) चीनी-तुर्किस्तान B) ईरान
C) तिब्बत D) मध्य-एशिया

142. भारत के प्राचीन राजवंश के संदर्भ में वासुदेव, भूमिमित्र, नारायण और सुशर्मन किस वंश के राजा थे?
A) शुंग राजवंश B) कुषाण राजवंश
C) सातवाहन राजवंश D) कण्व राजवंश

143. इंडो-ग्रीक नियम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. भारत पर सबसे पहले आक्रमण करने वाले यूनानी थे, जिन्हें इंडो-ग्रीक या बैक्ट्रियन यूनानी कहा जाता है।
2. दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व की शुरुआत में इंडो-यूनानियों ने दक्षिणी भारत के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
A) केवल 1 B) केवल 2
C) 1 और 2 दोनों D) न तो 1 और न ही 2

144. निम्न को सुमेलित कीजिए:

	यवन शासक		**क्षेत्र**
(A)	एंटिओकस-II	(i)	साइरीन
(B)	टॉलसी-II	(ii)	मैसीडोनिया
(C)	एंटीगोनस-II	(iii)	मिस्र
(D)	मगस	(iv)	सीरिया

A) (A) - (i), (B) - (ii), (C) - (iii), (D) - (iv) B) (A) - (iv), (B) - (iii), (C) - (i), (D) - (ii)
C) (A) - (iii), (B) - (iv), (C) - (ii), (D) - (i) D) (A) - (iv), (B) - (iii), (C) - (ii), (D) - (i)

145. पेशावर और मथुरा _____ के शासन के दौरान सत्ता के दो प्रमुख केंद्र थे।
A) गुप्त B) मौर्य
C) कुषाण D) चालुक्य

146. इंडो यूनानियों के अध्ययन के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिक स्रोत कौन सा है?
A) स्मारक B) शिलालेख
C) सिक्के D) साहित्यिक ग्रंथ

147. गौतमीपुत्र शातकर्णी को सातवाहन वंश का सबसे महान राजा माना जाता है। उसका तत्काल उत्तराधिकारी कौन था?
A) वासिष्ठीपुत्र श्री पुलुमावी B) सिमुक
C) यज्ञ श्री शातकर्णी D) राजा हल

148. मौर्योत्तर काल में, 'स्तूप' वास्तुकला निम्नलिखित में से किस धर्म या मान्यता से संबंधित है?
A) ईसाई धर्म B) बौद्ध धर्म
C) जैन धर्म D) हिन्दू धर्म

149. _____ प्रारंभिक शुंगों की राजधानी थी।
A) पाटलिपुत्र B) विदिशा
C) शाकला D) अयोध्या

गुप्त काल

150. कवि कालिदास और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट किस भारतीय शासक के दरबार में उपस्थित थे?
A) चंद्रगुप्त द्वितीय B) चंद्रगुप्त
C) समुद्रगुप्त D) अशोक

151. महाराजाधिराज की भव्य उपाधि धारण करने वाला गुप्त वंश का प्रथम शासक कौन था?
A) चंद्रगुप्त प्रथम B) चंद्रगुप्त द्वितीय
C) समुद्रगुप्त D) हर्षवर्धन

152. समुद्रगुप्त के शासनकाल के दौरान, संधि-विग्रहिका का अर्थ _____ था।
A) मुख्य न्यायिक अधिकारी B) मुख्य साहूकार
C) व्यापारियों के काफिले का नेता D) युद्ध तथा शांति मंत्री

153. समुद्रगुप्त के दरबारी कवि कौन थे?

A) हरिषेण B) बाणभट्ट
C) वात्स्यायन D) भीमसेन

154. स्कंदगुप्त के जूनागढ़ शिलालेख _____के बारे में जानकारी प्रदान करता है।
A) कन्नौज B) सौराष्ट्र
C) विदर्भ D) मगध

155. गुप्तकालीन सिक्कों का सबसे बड़ा संचय निम्नलिखित में से कौन-सा है?
A) बस्ती B) कोटावा
C) बयाना D) हाजीपुर

156. गुप्तकाल में पूर्वी भारत से होने वाले सामुद्रिक व्यापार का सबसे बड़ा केन्द्र कौन सा था?
A) भृगुकच्छ B) ताम्रलिप्ति
C) कोरकई D) कावेरीपट्टम्

157. गुप्त काल के निम्नलिखित संस्कृत ग्रंथों और उनके लेखकों को सुमेलित कीजिए।

सूची – 1 (**ग्रंथ**)		**सूची** – 2 (**लेखक**)	
a.	अष्टाध्यायी	1.	वराहमिहिर
b.	मुद्राराक्षस	2.	पाणिनि
c.	बृहत्संहिता	3.	शूद्रक
d.	मृच्छकटिकम्	4.	विशाखदत्त

A) a - 1, b - 3, c - 4, d - 2 B) a - 3, b - 1, c - 2, d - 4
C) a - 4, b - 2, c - 3, d - 1 D) a - 2, b - 4, c - 1, d - 3

158. चंद्रगुप्त द्वितीय की दूसरी राजधानी कहाँ थी?
A) विदिशा B) उज्जयिनी
C) साँची D) महेश्वर

159. इलाहाबाद प्रशस्ति में _____ का उल्लेख है।
A) समुद्रगुप्त B) बाणभट्ट
C) आर्यभट्ट D) चंद्रगुप्त द्वितीय

160. निम्नलिखित में से किस शासक ने गुप्त वंश की स्थापना की?
A) रामगुप्त B) श्री गुप्त
C) चंद्रगुप्त प्रथम D) समुद्रगुप्त

161. निम्नलिखित में से कौन सा शहर व्यापार, धर्म और संस्कृति का एक बड़ा केंद्र होने के साथ-साथ गुप्त साम्राज्य की दूसरी राजधानी भी था?
A) पाटलिपुत्र B) बनारस
C) उज्जैन D) कौशाम्बी

162. _____ तक्षशिला विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र के प्राध्यापक थे।
A) समुद्रगुप्त B) कौटिल्य
C) अजातशत्रु D) बिन्दुसार

163. भारतीय इतिहास में किस शासनकाल को भारत का स्वर्ण युग कहा गया?
A) मुगल साम्राज्य B) मराठा साम्राज्य
C) गुप्त साम्राज्य D) मौर्य साम्राज्य

164. समुद्रगुप्त, भारत के नेपोलियन, को _____ के रूप में भी जाना जाता है।
A) पृथिव्या प्रथम वीर B) महाराजा
C) महाराजाधिराज D) शकरादित्य

165. उपरिका _____ थे।
A) गुप्त शासक B) जमींदार
C) कर संग्रहकर्ता D) सैन्य प्रशासक

166. निम्नलिखित में से कौन प्राचीन काल में प्लास्टिक सर्जरी में विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है?
A) सुश्रुत B) भर्तृहरि
C) कमंदक D) भारत

167. किस अभिलेख में गुप्त वंश के शासक रामगुप्त के नाम का उल्लेख हुआ है?
A) समुद्रगुप्त का प्रयाग अभिलेख B) हर्षवर्द्धन का बांसखेड़ा अभिलेख
C) अमोघवर्ष का संजन ताम्रपत्र लेख D) स्कन्दगुप्त का काहौम अभिलेख

168. हरिषेण, _____ के दरबार में कवि और मंत्री थे।
A) चंद्रगुप्त द्वितीय B) समुद्रगुप्त
C) अकबर D) अशोक

169. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:
1. हरिषेण
2. कालिदास
3. सुश्रुत
निम्नलिखित में से कौन चन्द्रगुप्त-द्वितीय के दरबार में था/थे?
A) केवल 1 B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 2 D) 1, 2, और 3

गुप्तोत्तर काल

170. बाणभट्ट किस भारतीय शासक के दरबारी कवि थे?
A) जहाँगीर B) अशोक
C) हर्षवर्धन D) चंद्रगुप्त

171. पल्लवों के दौरान धर्म के संबंध में दिए गए कथनों में से कौन सा/से गलत है/हैं?
A) पल्लव साम्राज्य में बौद्ध धर्म और जैन धर्म बहुत सक्रिय थे। B) अधिकांश पल्लव राजा वैष्णववाद के अनुयायी ही थे।
C) पल्लव राजाओं ने अग्निस्तोम, वाजपेय और अश्वमेध यज्ञ जैसे वैदिक यज्ञ किए। D) ये सभी

172. गुप्तोत्तर काल में आयात की प्रमुख मद _____ थी।
A) चमड़े की वस्तुऐं B) घोड़े
C) औषधियाँ D) रेशम

173. प्राचीन काल में हुए त्रिपक्षीय संघर्ष में निम्नलिखित में से किस वंश ने भाग नही लिया था?
A) पाल B) प्रतिहार
C) राष्ट्रकूट D) चालुक्य

174. पल्लवों के शिलालेखों में सभा का उल्लेख है, जो एक _____ की सभा थी।
A) ब्राह्मण भूस्वामी (जमींदार) B) राजस्व संग्राहक
C) व्यापारी D) सिपाही

175. पल्लवों के शासनकाल के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
I. उर एक ग्राम सभा थी, जो उन क्षेत्रों में आयोजित की थी जहाँ जमींदार ब्राह्मण नहीं थे।
II. नागर व्यापारियों का एक संगठन था।
A) I और II दोनों B) केवल I
C) केवल II D) न तो I और न ही II

176. _____ चालुक्यों की राजधानी थी।
A) वैशाली B) पाटलिपुत्र
C) ऐहोल D) सारनाथ

177. वेंगी का कुलोत्तुंग-
A) चेर वंश का एक सदस्य था, जिसने चोलों से युद्ध किया। B) पूर्वी चालुक्य वंश का एक सदस्य और एक चोल रिश्तेदार था।
C) एक प्रमुख पांड्य राजा था, जिसने राष्ट्रकूटों से युद्ध लड़ा। D) पल्लव वंश का एक शक्तिशाली वंश जो वातापी से आया था।

178. पल्लवों की राजधानी कहाँ थी?
A) ऐहोल B) कांचीपुरम्
C) मदुरै D) महाबलीपुरम्

179. हर्ष किस विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित संरक्षक थे?

A) विक्रमशिला B) तक्षशिला
C) मगध D) नालंदा

180. पल्लव वंश का अंतिम शासक कौन था?
A) राजराज प्रथम B) नृपतुंग वर्मन
C) कर्क तृतीय D) अपराजित वर्मन

181. महाबलीपुरम् के सात रथों वाले मंदिर किसने बनवाए?
A) पल्लव B) चोल
C) चालुक्य D) पाण्ड्य

182. चालुक्य वंश का संबंध किस शिलालेख से है?
A) मंदसौर स्तंभ शिलालेख B) मंदसौर शिलालेख
C) ऐहोल शिलालेख D) मेहरौली शिलालेख

183. पल्लवों के काल में शिक्षा का प्रमुख केंद्र _____ था।
A) काञ्ची B) विक्रमशिला
C) उज्जयिनी D) तक्षशिला

184. निम्नलिखित में से कौन से विद्वान हर्षवर्द्धन के दरबार में नहीं थे?
A) बाणभट्ट B) मयूरभट्ट
C) मातंग दिवाकर D) मयूर शर्मन

185. हर्षचरित किसके द्वारा लिखित है?
A) बाणभट्ट B) हर्ष
C) ह्वेनत्सांग D) कालिदास

186. रत्नावली, प्रियदर्शिका और नागानंद की संस्कृत कृतियों का श्रेय किसे दिया जाता है?
A) पुलकेशिन द्वितीय B) बाणभट्ट
C) हर्ष D) चंद्रगुप्त

187. सम्राट हर्ष ने अपनी राजधानी थानेश्वर से आगरा स्थानान्तरित की।
A) प्रयाग B) दिल्ली
C) कन्नौज D) राजगृह

188. हर्षवर्धन के शासनकाल में कौन-सा चीनी तीर्थयात्री भारत आया था?
A) फाह्यान B) इत्सिंग
C) निशका D) ह्वेनसांग

189. ऐहोल शिलालेख निम्नलिखित में से किस शासक से संबंधित है?
A) विक्रमादित्य B) पुलकेशिन II
C) अकबर D) अशोक

चेर, चोल और पांड्य

190. राजराजा प्रथम, सबसे शक्तिशाली चोल शासक, _____ ईस्वी में राजा बना।
A) 985 B) 970
C) 977 D) 995

191. निम्नलिखित में से किस पांड्य राजा ने चोल राजा राजेंद्र-III को हराया?
A) जातवर्मन सुंदरा पांड्य I B) सुंदर पांड्य IV
C) कुलशेखर पांडियन D) मारवर्मन सुंदर पांड्य II

192. अरुमोलिवर्मन किस चोल सम्राट का नाम था ?
A) राजराजा B) राजेन्द्र
C) राजाधिराज D) परान्तक

193. चोल सम्राटों ने 'कुर्रम' किसे कहा था?
A) नगर B) जिला
C) प्रान्त D) गांवों का समूह

194. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।
अभिकथन (A): चोल राजा राजेंद्र प्रथम ने अपनी राजधानी में शिव मंदिर का निर्माण करवाया था और उसे पराजित शासकों से जब्त की गई उत्कृष्ट प्रतिमाओं से भर दिया।
कारण (R): राजाओं ने ईश्वर के प्रति अपनी भक्ति, अपनी शक्ति और धन का प्रदर्शन करने के लिए मंदिरों का निर्माण किया।
A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है। B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
C) (A) सत्य है लेकिन (R) असत्य है। D) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।

195. पांड्य राजवंश की राजधानी नगर क्या था?
A) मैसूर B) कांचीपुरम्
C) कोच्चि D) मदुरै

196. पांड्य वंश के संदर्भ में कौन सा कथन गलत है?
A) नेदुनज़्लियन उनमें से सबसे प्रसिद्ध थे, जिन्होंने मदुरै को अपनी राजधानी बनाया था। B) पांडेय वंश का उल्लेख सबसे पहले मेगस्थनीज ने किया था। पांड्य
C) कडुंगोन को कालाभ्र शासन को समाप्त करने का श्रेय दिया गया था। D) पांड्य राजवंश भारतीय प्रायद्वीप के ठीक दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम में स्थित है।

197. कोरकाई बंदरगाह किस राज्य में स्थित है?
A) आंध्र प्रदेश B) कर्नाटक
C) केरल D) तमिलनाडु

198. निम्नलिखित में से कौन सा राजवंश अपनी नौसैनिक शक्ति के लिए प्रसिद्ध था?
A) सातवाहन B) चोल
C) चालुक्य D) मौर्य

199. कौन-सा मध्यकालीन भारतीय साम्राज्य व्यापक स्तर पर स्थानीय स्वशासन के लिए प्रसिद्ध था?
A) चालुक्य B) चोल
C) सोलंकी D) परमार

200. राजा विजयालय का संबंध निम्नलिखित में से किस राजवंश से था?
A) पल्लव B) राष्ट्रकूट
C) चोल D) गुप्त

201. दक्षिण भारत में चोलों का समकालीन प्रतिद्वंद्वी राजवंश _____ था।
A) मदुरै के पांड्य B) चेर
C) कल्याणी के चालुक्य D) वेंगी के चालुक्य

202. कुशल ग्रामीण प्रशासन के लिए प्रसिद्ध राजवंश कौनसा था?
A) चोल B) राष्ट्रकूट
C) चालुक्य D) पल्लव

203. निम्नलिखित में से कौन सा राज्य मुख्य रूप से चेर राजवंश के लिए जाना जाता है?
A) उड़ीसा B) मध्य प्रदेश
C) कश्मीर D) केरल

204. हिंदू संत आदि शंकर चेरा वंश के निम्नलिखित में से किस राजा के समकालीन थे?
A) राजशेखर वर्मा B) राम वर्मा कुलशेखर
C) स्थाणु रवि वर्मा D) कुलशेखर वर्मा

205. किस चेर राजा का उल्लेख 'हाथी रूप का सेय' के रूप में भी किया गया था?
A) मंदरांजरल इरुमपोराई B) पेरुमचेरल इरमपोराई
C) सेलावक्कडुंगो वली अदन D) इनमें से कोई नहीं

206. गंगैकोण्ड चोलपुरम् में भगवान शिव को समर्पित मंदिर का निर्माण किसने कराया था?
A) श्री कृष्ण देवराय B) राजराजा चोल प्रथम
C) राजेंद्र चोल प्रथम D) कोई नहीं

207. किसने कई ट्रांस गंगा राज्यों को जीत लिया और गंगईकोंड चोल की उपाधि धारण की?
A) राजराज चोल प्रथम B) राजेंद्र चोल प्रथम
C) विजयालय चोल D) देवराय द्वितीय

208. गंगा नदी तक के प्रदेशों पर कब्जा करने के लिए किस चोल राजा ने उत्तर में अभियान का नेतृत्व किया था?
A) विजयालय B) आदित्य, 1799
C) राजेंद्र चोल प्रथम D) राजराज चोल प्रथम

209. इनमें से कौन सा मंदिर शाही चोल वंश के शासकों द्वारा नहीं बनाया गया था?
A) गंगाकोण्डाचोलपुरम में शिव मंदिर
B) एलोरा में कैलाश मंदिर
C) दारासुराम में ऐरावतेश्वर मंदिर
D) त्रिभुवनम में कम्परेश्वर मंदिर

क्षेत्रीय राज्य

210. निम्नलिखित में से किस मौखरि राजा ने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की थी?
A) ईशानवर्मन
B) हरिवर्मन
C) आदित्यवर्मन
D) सार्दुलवर्मन

211. 528 ई. में हूणों को किसने पराजित किया?
A) हर्षवर्धन
B) यशोधर्मन
C) बाज बहादुर
D) राजा भोज

212. परमार वंश की राजधानी क्या थी?
A) धार
B) इंदौर
C) राजगढ़
D) मांडू

213. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए।

वंश	शासक क्षेत्र
A. शैल वंश	1. महाकौशल क्षेत्र
B. औलिकर वंश	2. दशपुर, मंदसौर
C. परमार वंश	3. धार
D. कच्छपघात वंश	4. ग्वालियर

A) A-2, B-3, C-4, D-1
B) A-3, B-2, C-4, D-1
C) A-1, B-2, C-3, D-4
D) A-1, B-3, C-2, D-4

214. विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना किसने की और नालंदा विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित किसने किया?
A) गोपाल
B) वसुदेव
C) श्री गुप्त
D) धर्मपाल

215. निम्नलिखित में से किसने राष्ट्रकूट राज्य की स्थापना की?
A) अशोक
B) अमोघवर्ष
C) कृष्ण प्रथम
D) दंतिदुर्ग

216. भारत के इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित में से किस राजवंश को सूर्यवंश कहा जाता है?
A) वाकाटक
B) इक्ष्वाकु
C) यादव
D) चालुक्य

217. वर्मन की उपाधि _____ के राजाओं द्वारा अपनाई गई थी।
A) समता
B) गौड़
C) कामरूप
D) पंजाब

218. चंदेल वंश की स्थापना किसने की?
A) विद्याधर
B) यशोवर्मन
C) नन्नुक
D) धंग देव

219. मिहिरभोज किस वंश के शासक थे?
A) पाल वंश
B) गुर्जर-प्रतिहार वंश
C) चंदेल वंश
D) चेरा वंश

220. निम्न शासकों को उनके वंश से सुमेलित कीजिए:

शासक		राजवंश	
(a)	विजयालय	(i)	चालुक्य
(b)	पुलकेशिन I	(ii)	पल्लव
(c)	सिंहवर्मन	(iii)	चालुक्य
(d)	विजयादित्य	(iv)	चोल

A) (a) - iii, (b) - ii, (c) - i, (d) - iv
B) (a) - i, (b) - iii, (c) - iv, (d) - ii
C) (a) - iv, (b) - i, (c) - ii, (d) - iii
D) (a) - ii, (b) - iv, (c) - iii, (d) - i

221. थानेश्वर पुष्यभूति वंश के किस शासक की राजधानी थी?
A) प्रभाकरवर्धन
B) यशोवर्मन
C) कुमारगुप्त
D) इनमें से कोई नहीं

222. इनमें से किस राज्य को पहले दक्षिण-कोशल के नाम से जाना जाता था?
A) कर्नाटक
B) आंध्र प्रदेश
C) छत्तीसगढ़
D) महाराष्ट्र

223. कुषाण साम्राज्य के संस्थापक कौन थे?
A) कनिष्क
B) वीमा कडफिसेस
C) कुजुल कडफिसेस
D) वशीश्का

224. चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय के दरबारी कवि कौन थे?
A) कालिदास
B) बाणभट्ट
C) श्याम कीर्ति
D) रविकीर्ति

ANSWER KEY

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
Ans	A	A	A	D	B	D	D	C	D	A	A	B	A	C
Q.	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
Ans	C	D	C	C	B	B	D	A	A	D	D	D	B	C
Q.	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42
Ans	C	C	B	C	B	C	D	B	D	A	B	B	C	B
Q.	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56
Ans	A	B	C	C	D	B	D	C	C	B	A	A	D	C
Q.	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70
Ans	C	C	B	D	B	C	A	B	D	D	C	A	A	C
Q.	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
Ans	D	D	D	A	B	D	D	C	D	A	A	A	D	B
Q.	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98
Ans	D	C	A	B	B	B	D	D	B	C	A	B	D	C
Q.	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112
Ans	A	D	A	C	B	B	B	B	B	D	A	C	B	B
Q.	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126
Ans	D	D	B	B	A	C	B	C	B	A	C	C	A	D

Q.	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140
Ans	A	B	B	A	D	A	C	D	C	B	D	A	B	D
Q.	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154
Ans	D	D	A	D	C	C	A	B	A	A	A	D	A	B
Q.	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168
Ans	C	B	D	B	A	B	C	B	C	A	A	A	A	B
Q.	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182
Ans	C	C	B	B	D	A	A	C	B	B	D	D	A	C
Q.	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196
Ans	A	D	A	C	C	D	B	A	C	A	D	A	D	D
Q.	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210
Ans	D	B	B	C	C	A	D	A	B	C	B	C	B	A
Q.	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224
Ans	B	A	C	D	D	B	C	C	B	C	A	C	C	D

SOLUTIONS

प्रागैतिहासिक काल

1. भारत में नवपाषाण युग लगभग 7,000 ईसा पूर्व से 1,000 ईसा पूर्व तक फैला हुआ था और इसकी विशेषता स्थिर कृषि और पॉलिश किए गए पत्थर के औजारों का उपयोग था। कश्मीरी नवपाषाण स्थल, जिनमें बुर्जहोम, गुफकराल और अन्य शामिल हैं, कृषि और मिट्टी के बर्तनों के विकास में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, लेकिन महागरा कश्मीर घाटी में एक नवपाषाण स्थल नहीं है, बल्कि यह बेलन घाटी, उत्तर प्रदेश में स्थित है और यह चावल की खेती के शुरुआती उदाहरणों के लिए जाना जाता है।

2. भारत में ताम्रपाषाण काल 2500 ईसा पूर्व से 700 ईसा पूर्व तक फैला हुआ था और कांस्य युग की हड़प्पा संस्कृति का पालन करता था। इस समय के दौरान, उपकरण बनाने के लिए धातु और पत्थर दोनों का उपयोग किया जाता था, और लोग शिकार, मछली पकड़ने और कृषि पर निर्भर ग्रामीण क्षेत्रों में नदियों के पास रहते थे।

3. दाओजली हैडिंग असम, भारत के उत्तरी कछार पहाड़ी क्षेत्र में स्थित एक नवपाषाण स्थल है। इसने पत्थर और जीवाश्म लकड़ी के उपकरण, हस्तनिर्मित मिट्टी के बर्तनों का उत्पादन किया है, और यह भारत में बड़े नवपाषाण चरण का हिस्सा है, जिसमें कृषि, पशु वर्चस्व और पॉलिश पत्थर के उपकरण शामिल हैं।

4. भारतीय शोधकर्ताओं ने 25,000 से अधिक साल पहले भारत में शुतुरमुर्ग के आणविक प्रमाण की खोज की है, जो शुतुरमुर्ग के जीवाश्म अंडे के छिलके के डीएनए परीक्षण के आधार पर किया गया है। गोंडवानालैंड के महाद्वीपीय बहाव को अक्सर शुतुरमुर्ग की उत्पत्ति और विकास के कारण के रूप में उद्धृत किया जाता है।

5. पूर्व पाषाण युग के लोग मुख्य रूप से भोजन इकट्ठा करने वाले थे। कृषि के आगमन और अधिक उन्नत प्रौद्योगिकियों के विकास से पहले, "पूर्व पाषाण युग" शब्द का उपयोग अतीत में मानव प्रागितिहास की शुरुआती अवधि का वर्णन करने के लिए किया जाता है। इसे पुरापाषाण काल के नाम से भी जाना जाता है।

6. महाराष्ट्र में 600,000 वर्ष पुरानी बोरी को सबसे पुराना पूर्व पुरापाषाण स्थल माना जाता है। बोरी शहर महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित है।

7. महापाषाण खड़ा करने की प्रथा लगभग 3000 साल पहले शुरू हुई थी। प्रारंभिक काल में जिन विशाल पत्थरों को या तो दफन स्थलों या स्मारक स्मारकों के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, उन्हें महापाषाण कहा जाता है।

8. माइक्रोलिथ्स(लघुपाषाण) पत्थर के उपकरण हैं जो 1 सेमी से 5 सेमी तक की लंबाई के होते हैं, ये ब्लेड के आकार के होते हैं और पत्थरों से बने होते हैं जैसे - चर्ट, कैल्सेडनी, एगेट, आदि। मेसोलिथिक काल, जिसे मध्य पाषाण युग के रूप में भी जाना जाता है, प्रागैतिहासिक काल जो पुरापाषाण काल के बाद और लगभग 10,000 ईसा पूर्व से 5,000 ईसा पूर्व तक चला।

9. मालवा संस्कृति ताम्रपाषाण युग से जुड़ी है। ताम्रपाषाण युग की अवधि 4000 ईसा पूर्व से 2000 ईसा पूर्व थी। ताम्रपाषाण युग पहली अवधि थी जब धातु का उपयोग किया गया था। इसे ताम्र-पाषाण युग भी कहा जाता है। ताम्रपाषाण चरण से संबंधित बस्तियां छोटानागपुर पठार से गंगा बेसिन तक फैली हुई हैं।

10. भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे पुराने होमिनिन जीवाश्म मध्य भारत की नर्मदा घाटी में हथनोरा के स्थल पर पाए गए हैं। ये जीवाश्म होमो इरेक्टस नामक प्रजाति के हैं और लगभग 1.5 मिलियन वर्ष पुराने होने का अनुमान है। भारत में अन्य महत्वपूर्ण होमिनिन जीवाश्म स्थलों में शिवालिक हिल्स, राइजिंग स्टार गुफा परिसर में दीनालेदी चैंबर और भीमबेटका शैल शामिल हैं।

11. भारतीय उपमहाद्वीप के तिरुवल्लुर, तमिलनाडु क्षेत्रों में प्रागैतिहासिक बसे जीवन के पहले लक्षण उभर कर सामने आए। कहानी यह है कि लगभग 155 साल पहले 1863 ईस्वी में, एक युवा भूविज्ञानी, रॉबर्ट ब्रूस फूट को चेन्नई के पास पल्लवरम के ब्रिटिश छावनी में परेड ग्राउंड में बिखरे हुए पत्थर के एक खुरदरे औजार का पता चला था।

12. सही क्रम पुरापाषाण, मध्यपाषाण, नवपाषाण और हड़प्पा सभ्यता है। भारत की पुरापाषाण संस्कृति प्लेइस्टोसिन काल या हिमयुग में विकसित हुई। मध्य पाषाण और नवपाषाण दोनों चरण होलोसीन युग के हैं। हड़प्पा सभ्यता कांस्य युग की शुरुआत में शुरू होती है, यह लगभग 2,500 ईसा पूर्व फली-फूली।

13. मालवा और जोर्वे संस्कृतियाँ महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में ताम्रपाषाणकालीन पुरातात्विक संस्कृतियाँ थीं, जिनकी विशेषता कृषि और पशुचारण थी। दैमाबाद और इनामगाँव महाराष्ट्र में दोनों संस्कृतियों के स्थल हैं।

14. तांबा(कॉपर)10,000 वर्ष पहले प्राचीन लोगों द्वारा खोजी और इस्तेमाल की जाने वाली पहली धातु थी। कांस्य, लोहा और टिन की खोज और उपयोग तक लगभग 5,000 वर्षों तक यह एकमात्र ज्ञात धातु बनी रही।

15. इनामगाँव, एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल घोड नदी पर स्थित है। इनामगाँव महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित एक पुरातात्विक स्थल है।

16. मस्की- लोग पशुपालक थे। वे भेड़ और बकरियों को पालते थे। बुर्जहोम- घरेलू कुत्तों को उनके मालिकों के साथ उनकी कब्रों में दफनाया गया था; लोग गड्ढों में रहते थे और चमकदार पत्थरों और हड्डियों से बने औजारों का इस्तेमाल करते थे। गुफकराल- यह नवपाषाण स्थल घरों में गड्ढों के लिए प्रसिद्ध है। अतः स्पष्ट है कि सभी युग्म सही सुमेलित हैं।

17. श्री वी. एस. वाकणकर, एक भारतीय पुरातत्वविद्, ने 1957 में भीमबेटका के चित्रों की खोज की। भीमबेटका रॉक शेल्टर भारत में मानव जीवन के शुरुआती निशान प्रदर्शित करते हैं और 2003 में यूनेस्को को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

18. मध्य भारत में भीमबेटका पाषाण आश्रय पुरापाषाण, मध्यपाषाण और ऐतिहासिक काल में फैले एक पुरातात्विक स्थल हैं, जिसमें जानवरों, शिकार और आध्यात्मिकता जैसे विषयों को चित्रित करने वाले प्रागैतिहासिक गुफा चित्रों के साथ 750 से अधिक शैलाश्रय हैं। यह भारत में सबसे पुरानी ज्ञात रॉक कला का भी घर है और इसे 2003 में यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था।

19. प्रागैतिहासिक युग में मनुष्य कंदरा या गुफाओं में रहा करता था। प्रागैतिहासिक युग में मनुष्य मुख्यतः गुफाओं में निवास करता था। कुछ गुफाओं में जानवरों की हड्डियाँ भी हैं।

20. 'महापाषाण' दफन स्थल हैं। महापाषाण बड़े पत्थर की संरचनाओं का उल्लेख करते हैं जिनका निर्माण या तो दफन स्थलों या स्मारक स्थलों के रूप में किया गया था।

सिंधु घाटी सभ्यता

21. आर. डी. बनर्जी मोहनजोदड़ो के खोजकर्ता हैं जिसका अर्थ "मृतकों का टीला" है। इस स्थल की खोज 1922 में हुई थी। मोहनजोदड़ो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित एक प्राचीन शहर है। यह सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे बड़ी बस्तियों में से एक थी।

22. कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में सूरतगढ़ और हनुमानगढ़ के बीच पीलीबंगन में स्थित है। मोहनजोदड़ो सिंध, पाकिस्तान में स्थित है। हड़प्पा, रावी नदी के पुराने तल पर पंजाब प्रांत, पाकिस्तान में स्थित है। सुरकोटड़ा, गुजरात में स्थित है।

23. लोथल स्थलों से दोहरे शवाधान के साक्ष्य मिले हैं। लोथल के अन्य निष्कर्षों में चावल की भूसी के अवशेष, घोड़े की टेराकोटा मूर्ति के साक्ष्य, बंदरगाह और जहाज का टेराकोटा मॉडल शामिल हैं।

24. हड़प्पा स्थल लोथल भारत के गुजरात राज्य में स्थित है। लोथल प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के सबसे महत्वपूर्ण शहरों में से एक था, जो लगभग 2600 ईसा पूर्व से 1900 ईसा पूर्व तक फला-फूला।

25. मेहरगढ़ में कपास उगाई जाती थी जिससे जौ और गेहूँ की खेती के प्रमाण मिलते थे। मेहरगढ़ (बलूचिस्तान) को 6500 ईसा पूर्व और सिंधु घाटी सभ्यता के शुरुआती विस्तारों में से एक माना जाता है।

26. हड़प्पा के कालीबंगा स्थल ने 2600 ईसा पूर्व के आसपास एक भूकंप का प्रमाण दिखाया है, जिसने साइट पर प्रारंभिक सिंधु बस्ती का अंत कर दिया। यह शायद सबसे पुराना पुरातात्विक रूप से रिकॉर्ड किया गया भूकंप है।

27. सिंधु घाटी सभ्यता प्रागैतिहासिक काल (ताम्रपाषाण युग/कांस्य युग) से संबंधित है। दयाराम साहनी ने पहली बार 1921 में हड़प्पा सभ्यता की खोज की थी।

28. पुरातत्वविद् एस. आर. राव ने उन टीमों का नेतृत्व किया, जिन्होंने 1954-63 में बंदरगाह शहर लोथल सहित कई हड़प्पा स्थलों की खोज की। लोथल सौराष्ट्र क्षेत्र में साबरमती नदी और उसकी सहायक नदी भोगावो के बीच स्थित है।

29. द ग्रेट बाथ या विशाल स्नानागार, पाकिस्तान के सिंध में मोहनजोदड़ो में खुदाई में हड़प्पा सभ्यता के खंडहरों के बीच सबसे प्रसिद्ध संरचनाओं में से एक है। पुरातात्विक साक्ष्य इंगित करते हैं कि विशाल स्नानागार का निर्माण 'गढ़' टीले के निर्माण के तुरंत बाद तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व में किया गया था, जिस पर यह स्थित है।

30. सिंधु घाटी सभ्यता, एक कांस्य युग की सभ्यता थी जो 2500-1700 ईसा पूर्व से दक्षिण एशिया के उत्तर-पश्चिमी भाग में मौजूद थी। कांस्य युग की विशेषता तांबे और टिन के मिश्रधातु, कांस्य से बने औजारों के उपयोग से है।

31. सिंधु घाटी सभ्यता एक शहरी संस्कृति थी, जिसकी नगर योजना की प्रणाली, पकी हुई ईंटों का उपयोग, प्रभावशाली जल निकासी व्यवस्था, और प्रत्येक घर का अपना आंगन और स्नानघर था। यह चालकोलिथिक संस्कृति से पुराना है और इसे कहीं अधिक विकसित माना जाता है।

32. धौलावीरा हड़प्पा संस्कृति का नवीनतम उत्खनित स्थल है। इसकी खोज 1968 में पुरातत्वविद् जगत पति जोशी ने की थी। धौलावीरा स्थल कच्छ के रण में खादिर बेत पर स्थित था।

33. सिंधु घाटी सभ्यता के लिए अज्ञात धातु लोहा थी। सुनार चाँदी, सोने और बहुमूल्य रत्नों के आभूषण बनाते थे। आमतौर पर, तांबे के साथ टिन मिलाकर कांस्य बनाया जाता था, लेकिन वे कभी-कभी इस उद्देश्य के लिए तांबे के साथ आर्सेनिक भी मिलाते थे।

34. मोहनजोदड़ो से नृत्यांगना और दाढ़ी वाले व्यक्ति की मूर्तियाँ प्राप्त हुई हैं। ये क्रमशः कांसे और सेलखड़ी के बनी हैं। पुरातत्वविदों द्वारा पाई गई अधिकांश चीजें पत्थर, शंख, सेलखड़ी और धातु से बनी हैं, जिनमें तांबा, कांस्य, सोना और चांदी शामिल हैं।

35. हड़प्पा वास्तुकला में सीढ़ियों के अवशेषों के कारण इमारतें बहुमंजिला थीं। हड़प्पा निवासी अपनी निजता के बारे में विशिष्ट थे क्योंकि जमीनी स्तर की दीवारों में कोई खिड़की नहीं है। जल निकासी प्रणाली बड़े शहरों के लिए अद्वितीय नहीं थी, बल्कि छोटी बस्तियों में भी पाई गई थी।

36. साक्ष्य बताते हैं कि राजस्थान की खेतड़ी खदानें हड़प्पावासियों के लिए तांबे के प्रमुख स्रोतों में से एक थीं क्योंकि वे तांबे और कांस्य की बहुत सारी वस्तुओं का निर्माण करती थीं।

37. रोपड़ एक सिंधु घाटी बस्ती है, जो आधुनिक पंजाब, भारत में सतलुज नदी के तट पर स्थित है। वाई. डी. शर्मा ने 1953 में रोपड़ की खोज की थी।

38. लोथल और कालीबंगा में टेराकोटा की महिला की मूर्तियाँ प्राप्त हुई हैं। हड़प्पा में एक लाल-बलुआ पत्थर से बनी एक नग्न पुरुष की मूर्ति का धड़ मिला है, जिसमें सिर और बाहों को जोड़ने के लिए गर्दन और कंधों में गर्तिका छेद हैं। लोथल, गुजरात का एक तटीय शहर था जबकि कालीबंगा राजस्थान में स्थित था। इस प्रकार, केवल कथन 1 और 2 सही हैं।

39. अफगानिस्तान में स्थित शोरतुग़ई में नहर के साक्ष्य खोजे गए हैं। इसे सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे उत्तरी बस्ती माना जाता है।

40. सिंधु घाटी के किसी भी स्थल से बाघों की अस्थियाँ नहीं मिलीं। मवेशियों, सूअरों और जंगली जंतुओं जैसे सूअर, हिरण और घड़ियाल की अस्थियाँ खोजी गईं।

वैदिक काल तथा महाजनपद

41. अलवार दक्षिण भारत के तमिल कवि-संत थे। उन्होंने लालसा, परमानंद और सेवा के अपने गीतों में हिंदू भगवान विष्णु की भक्ति की वकालत की। अलवर का अर्थ है जो ईश्वर के अनुभव में डूबा हुआ है। परंपरा के माध्यम से 12 अलवार ज्ञात हैं। वे अपने देवताओं की स्तुति में तमिल में भजन गाते हुए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते थे।

42. वैशाली वज्जि महाजनपद की राजधानी थी। राज्य बिहार में गंगा नदी के उत्तर में स्थित था। यह बिहार के वैशाली और मुजफ्फरपुर जिलों में अवस्थित है।

43. द्विज का अर्थ प्राचीन भारतीय संस्कृत में "दो बार जन्म" है। यह अवधारणा इस विश्वास पर आधारित है कि एक व्यक्ति पहले शारीरिक रूप से जन्म लेता है और बाद में दूसरी बार आध्यात्मिक रूप से जन्म लेता है। द्विज, मध्ययुगीन भारतीय ग्रंथों में, पहले तीन वर्णों - ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य के एक सदस्य को संदर्भित करता है। इस प्रकार, शूद्रों को इस समूह में शामिल नहीं किया गया है।

44. नंदों ने 344 ईसा पूर्व और 321 ईसा पूर्व के बीच मगध साम्राज्य पर शासन किया। नंदों को भारत के पहले "साम्राज्य निर्माताओं" के रूप में जाना जाता है। प्रथम नंद शासक महापद्म थे। शिशुनाद वंश को महापद्म ने उखाड़ फेंका और नंद साम्राज्य की स्थापना की।

45. राजाधिराज, चोल साम्राज्य से संबंध रखते हैं, राजाधिराज चोल भारत के दक्षिणी भाग में 11वीं शताब्दी में चोल वंश के सम्राट थे। चोल वंश दक्षिण भारत में मौजूद था। बिंबिसार, अजातशत्रु और महापद्म नंद मगध साम्राज्य के थे।

46. अवंती, चेदि, वत्स, मगध और अंग 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में शक्तिशाली राज्य थे। अवंती उज्जैन जिले में, चेदी आधुनिक बुंदेलखंड के पूर्वी हिस्सों में, वत्स कौशांबी में , पटना और गया के आसपास मगध, और अंग भागलपुर और मुंगेर में स्थित था। शिशुपाल कृष्ण का प्रसिद्ध शत्रु था और चेदि पर शासन करता था। मगध को सोन और गंगा नदियों द्वारा संरक्षित किया गया था और इसकी राजधानी गिरिव्रज या राजगृह थी। अंग मगध के पूर्व और राजमहल पहाड़ियों के पश्चिम में स्थित था।

47. वाल्स्विक भारतीय समाज का एक वर्ण नहीं था, जो एक जाति व्यवस्था के भीतर एक सामाजिक वर्ग को संदर्भित करता है जो पदानुक्रमित है। चार वर्ण ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र हैं, जबकि दलित और आदिवासी जो किसी भी वर्ण में समाहित नहीं होते हैं उन्हें अवर्ण कहा जाता है।

48. शास्त्रीय भारतीय संगीत की उत्पत्ति सामवेद से हुई है। सामवेद चार वेदों में से एक है, जो हिंदू धर्म के सबसे पुराने पवित्र ग्रंथ हैं। यह भजनों और मंत्रों का एक संग्रह है, जो मुख्य रूप से सोम अनुष्ठान के प्रदर्शन में उपयोग के लिए अभिप्रेत है, जिसमें सोम के पौधे से बने एक पवित्र पेय को विभिन्न देवताओं को अर्पित करना शामिल है।

49. पंच-चिन्हित सिक्का भारत में एक प्रकार का प्रारंभिक सिक्का है, जो ईसा पूर्व छठी और दूसरी शताब्दी के आसपास का है। माना जाता है कि भारत में पहले सिक्के 6 वीं शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास भारत-गंगा के

मैदान के महाजनपदों द्वारा ढाले गए थे। पंच-चिन्हित सिक्के चांदी के बने होते थे, और एक मानक वजन के होते थे लेकिन आकार में अनियमित होते थे।

50. प्रतिलोम विवाह एक ऐसा शब्द है जिसका उपयोग हिंदू धर्म में एक ऐसे विवाह को संदर्भित करने के लिए किया जाता है जहाँ दूल्हा दुल्हन की तुलना में निचली जाति का होता है।

51. श्रावस्ती कोसल राज्य की राजधानी थी। श्रावस्ती उत्तर भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश में स्थित एक प्राचीन शहर है। यह बुद्ध के जीवन के साथ अपने जुड़ाव के लिए जाना जाता है।

52. ऋग्वेद में वर्णित 'मृधरा-वाच' का अर्थ यज्ञ नहीं करने वाले से है।

53. 'गोत्र' संस्था, गोत्र उत्तर वैदिक काल में प्रकट हुआ। उत्तर वैदिक काल भारतीय इतिहास का एक काल है जो लगभग 1000 ईसा पूर्व से 600 ईसा पूर्व तक फैला हुआ है। गोत्र एक शब्द है जिसका उपयोग हिंदू धर्म में एक कबीले या वंश को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह एक सामान्य पूर्वज या ऋषि के वंशज हैं, और एक ही गोत्र के सदस्यों को परिजन माना जाता है।

54. ऋग्वेद में इंद्र की प्रशंसा में लगभग 250 सूक्त हैं जिन्हें शहरों को नष्ट करने वाले के रूप में वर्णित किया गया है। इंद्र वैदिक युग के धर्म में सबसे महत्वपूर्ण देवताओं में से एक थे। ऋग्वेद विश्व का सबसे प्राचीन धार्मिक ग्रन्थ है।

55. कामरूप भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरपूर्वी क्षेत्र में स्थित एक प्राचीन साम्राज्य था। राज्य की सटीक सीमाओं को अच्छी तरह से परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन माना जाता है कि यह वर्तमान असम, अरुणाचल प्रदेश, भूटान और बांग्लादेश के कुछ हिस्सों को समाहित करता है।

56. प्रारंभिक वैदिक काल में मवेशियों को सबसे मूल्यवान संपत्ति माना जाता था। प्रारंभिक वैदिक काल, जिसे ऋग्वैदिक काल के रूप में भी जाना जाता है, प्राचीन भारतीय इतिहास में उस समय को संदर्भित करता है जब वेदों, भजनों और धार्मिक ग्रंथों के संग्रह की रचना की गई थी। आमतौर पर इस अवधि के दौरान लगभग 1500 ईसा पूर्व से 1000 ईसा पूर्व तक की अवधि मानी जाती है।

57. सभा प्रारंभिक ऋग-वैदिक काल में दोनों सभाओं को दर्शाती है। महिलाएं भी इस सभा में शामिल होती थी और उन्हें सभावती कहा जाता था। ऋग्वेद न्यायिक और प्रशासनिक कार्यों के साथ सभा को एक नृत्य और जुआ सभा के रूप में बताता है। जबकि समिति एक लोकसभा थी जिसमें कबीलों के लोग जनजातीय व्यापार के लिए एकत्र होते थे।

58. पहले तीन वेदों अर्थात् ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद को संयुक्त रूप से वेदत्रयी या वेदों की तिकड़ी कहा जाता है। चौथा वेद अथर्ववेद लंबे समय तक वेदों की श्रेणी में शामिल नहीं था।

59. गायत्री मंत्र सबसे पुराने वैदिक साहित्य, ऋग्वेद में पाया जाता है। गायत्री मंत्र एक पवित्र वैदिक मंत्र है, जो एक सूर्य देवता, सवित्र को समर्पित है, और इसे सावित्री मंत्र के रूप में भी जाना जाता है। यह एक अत्यंत प्रतिष्ठित मंत्र है और युवा हिंदू पुरुषों के उपनयन संस्कार का एक अभिन्न अंग है।

60. महाजनपद सोलह राज्य थे जो प्रारंभिक भारत में मौजूद थे। मगध सोलह में प्रथम था। ऐसा इसलिए था क्योंकि मगध एक प्रमुख राज्य था जहाँ कृषि अत्यधिक उत्पादक थी, सेना में इस्तेमाल होने वाले जंगली हाथी आसानी से उपलब्ध थे और लोहे की खदानें भी मौजूद थीं।

61. **ऋग्वेद** सबसे प्राचीन वेद है, जिसकी रचना लगभग 3500 वर्ष पूर्व हुई थी। इसमें 1000 से अधिक भजन शामिल हैं। इन भजनों को सूक्त या "अच्छी तरह से कहा गया" कहा जाता है। ये स्तोत्र देवी-देवताओं की स्तुति में हैं।

62. हर्यक राजवंश की स्थापना बिंबिसार ने की थी, जिसके उत्तराधिकारी उनके पुत्र अजातशत्रु थे। अजातशत्रु ने आक्रामक नीतियों के माध्यम से साम्राज्य का विस्तार किया और विवाह गठबंधन के माध्यम से कोशल के साथ युद्ध जीता। उदयिन ने पाटिलपुत्र शहर का निर्माण किया और राजवंश अपने ही मंत्री शिशुनाग द्वारा अंतिम राजा की हत्या के साथ समाप्त हो गया, जिसने शिशुनाग राजवंश की शुरुआत की।

63. मगध की सफलता उन कुशल शासकों के कारण थी जिन्होंने अपने राज्य का विस्तार करने, समृद्ध लौह भंडार तक पहुंच के साथ लाभप्रद भौगोलिक स्थिति, रणनीतिक राजधानी स्थान, उपजाऊ भूमि और युद्ध में हाथियों का उपयोग जैसे सभी साधनों का उपयोग किया। समाज किरातों, मगधों और वैदिक लोगों का मिश्रण था, लेकिन हाल के वैदिक प्रभाव के कारण विस्तार के लिए अधिक उत्साह दिखा।

64. 1500 ईसा पूर्व से 600 ईसा पूर्व तक के वैदिक युग को प्रारंभिक और बाद के काल में विभाजित किया गया है। बाद की अवधि ने पूरे उत्तरी भारत को कवर किया। अश्वमेध, वाजपेय और राजसूय यज्ञ इस समय के दौरान राजा को सर्वोच्च शक्ति प्रदान करने और उनके प्रभाव को बढ़ाने के लिए किए जाने वाले महत्वपूर्ण अनुष्ठान थे।

65. चिनाब नदी, जिसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है, सिंधु नदी की एक सहायक नदी है। वैदिक काल में इसे आसकिनी कहा जाता था। यह हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, और पंजाब, पाकिस्तान से होकर बहती है, और इसका पानी सिंधु जल संधि के अनुसार भारत और पाकिस्तान द्वारा साझा किया जाता है।

66. ऋग्वैदिक समाज पितृसत्तात्मक था और इसकी मूल इकाई के रूप में परिवार था। एकविवाह प्रथा आम थी लेकिन शाही और कुलीन परिवारों में बहुविवाह प्रथा थी। महिलाओं को आध्यात्मिक और बौद्धिक विकास के समान अवसर प्राप्त थे। बाल विवाह और सती प्रथा अनुपस्थित थी।

67. ऋग्वेद में गाय और बैल के कई संदर्भ हैं। इसलिए ऋग्वैदिक लोगों को मुख्य रूप से ग्रामीण लोग कहा जा सकता है। उनके अधिकांश युद्ध गायों के लिए लड़े गए थे। गाय का उल्लेख ऋग्वेद में 176 बार आया है।

68. ऋग्वेद चार वेदों में सर्वाधिक प्राचीन है और इसमें 10,600 श्लोक और 1,028 सूक्त हैं। यह दस मंडलों में विभाजित है और इसमें गायत्री मंत्र, पुरुषसूक्त और दशराज्ञ युद्ध शामिल है।

69. वैदिकोत्तर समाज में एक पितृसत्तात्मक पारिवारिक संरचना थी जहाँ घरेलू अर्थव्यवस्था के कारण गृहपति का आर्थिक महत्व था। भूमि का स्वामित्व सांप्रदायिक था और इसके उपयोग पर आधारित था। गृहपति धनवान थे और योग्यता प्राप्त करने के लिए यज्ञ करते थे, जिसमें उनके धन का एक हिस्सा ब्राह्मण के पास जाता था। केवल विवाहित पुरुष ही अपनी कानूनी पत्नी के साथ यज्ञ की मेजबानी कर सकते थे, और मासिक धर्म वाली महिलाओं को भाग लेने की अनुमति नहीं थी। यज्ञ में पत्नी के अनुपस्थित रहने पर उसके स्थान पर पुतले का प्रयोग किया जा सकता था। अतः उपरोक्त से स्पष्ट है कि विकल्प 1 सत्य नहीं है।

बौद्ध धर्म

70. सांची एक बौद्ध परिसर है, जो मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में सांची शहर में एक पहाड़ी की चोटी पर अपने महान स्तूप के लिए प्रसिद्ध है। यह मूल रूप से तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्य सम्राट अशोक महान द्वारा कमीशन किया गया था। इस स्तूप के मूल निर्माण कार्य की देखरेख अशोक ने की थी, जिसकी पत्नी देवी विदिशा के पास के एक व्यापारी की बेटी थी।

71. महावीर गौतम बुद्ध के समकालीन थे। वर्धमान महावीर का जन्म बिहार में वैशाली के पास कुंडग्राम में हुआ था। उनके पिता, सिद्धार्थ क्षत्रियों के "जांत्रिक वंश" के प्रमुख थे। वे जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे।

72. जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान ऋषभनाथ की परंपरा में महावीर वर्धमान महावीर 24वें जैन तीर्थंकर थे। उनका जन्म वैशाली में इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के यहाँ चैत्र शुक्ल तेरस को हुआ था। बुद्ध के अनुसार, हमारे कर्मों के परिणाम, चाहे वे अच्छे हों या बुरे, हमारे वर्तमान जीवन के साथ-साथ उसके बाद के जीवन को भी प्रभावित करते हैं।

73. "चार आर्य सत्य" की अवधारणा बौद्ध धर्म से संबंधित है। दुक्ख/दुःख (पीड़ा का सच), समुदाय (पीड़ा का कारण खोजने के लिए), निरोध (दुख की समाप्ति का पता लगाने के लिए) और मग्गा (दुःख को समाप्त करने के लिए सही मार्ग का कार्यान्वयन)। बौद्ध धर्म के संस्थापक सिद्धार्थ गौतम हैं।

74. गौतम बुद्ध का परिवार शाक्य वंश से संबंधित था, जो कपिलवस्तु, लुम्बिनी से शासन करता था। उनके पिता शुद्धोदन थे, जो शाक्य जनजाति के प्रमुख थे, जो प्राचीन कपिलवस्तु में रहते थे। गौतम बुद्ध का जन्म लगभग 563 ईसा पूर्व सिद्धार्थ गौतम के रूप में लुम्बिनी में एक शाही परिवार में हुआ था जो भारत-नेपाल सीमा के पास स्थित है।

75. गौतम बुद्ध का जन्म 566 ईसा पूर्व में वर्तमान नेपाल में कपिलवस्तु के पास लुंबिनी में राजकुमार सिद्धार्थ के रूप में हुआ था। वह शुद्धोधन और महामाया के पुत्र थे। त्याग का विचार बुद्ध के मन में तब आया जब उन्होंने मनुष्य की चार अलग-अलग अवस्थाएँ देखीं - बीमार आदमी, बूढ़ा आदमी, शव और संन्यासी।

76. जातक कथा में भगवान बुद्ध के पूर्व जन्मों की कथाएं हैं। विश्व की सबसे पुरानी लिखित कहानियाँ जातक कथाएँ हैं जिनमें लगभग 600 कहानियाँ संकलित की गई हैं। यह ईसवी सन् से 300 वर्ष पूर्व की रचना है जिसमें बुद्ध के पूर्व जन्मों की प्रचलित कथाएँ हैं।

77. निरंजना नदी, जिसे फल्गु के नाम से भी जाना जाता है, के तट पर भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। उन्हें बोधि वृक्ष के नाम से भी जाने जाने वाले पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। भौगोलिक दृष्टि से बोधगया बिहार के गया जिले में अवस्थित है।

78. कथावट्टु एक बौद्ध ग्रंथ है, जिसके बारे में माना जाता है कि इसकी रचना सम्राट अशोक के शासनकाल के दौरान भारत में आयोजित तीसरी बौद्ध संगीति के अंत में भिक्षु मोग्गलिपुत्त तिस्सा ने की थी। महाकश्यप प्रथम बौद्ध संगीति के अध्यक्ष थे। द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन 383 ई.पू. के आसपास वैशाली, बिहार में हुआ था। द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन राजा कालाशोक के शासनकाल में हुआ था।

79. गौतम बुद्ध को बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यह बिहार में स्थित है। जिस दिन गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी उस दिन को बुद्ध पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। इसकी सही तारीख एशियाई लूनिसोलर कैलेंडर पर आधारित है और मुख्य रूप से बैसाख महीने में मनाई जाती है।

80. बुद्ध, जिन्हें गौतम के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म लुम्बिनी गाँव में हुआ था और उन्होंने बचपन से ही ध्यान के प्रति झुकाव दिखाया था। उन्होंने 29 वर्ष की आयु में घर छोड़ दिया, 35 वर्ष की आयु में ज्ञान प्राप्त किया, और 80 वर्ष की आयु में निधन से पहले अपना शेष जीवन भटकने, उपदेश देने और ध्यान लगाने में व्यतीत किया।

81. बौद्ध धर्म दुनिया के सबसे बड़े धर्मों में से एक है और लगभग 2500 साल पहले भारत में उत्पन्न हुआ था। इसकी स्थापना गौतम बुद्ध ने की थी। दीघा निकाय एक बौद्ध ग्रंथ है। यह सुत्तपिटक में पाँच निकायों में से पहला है। यह 34 लंबे सूत्तों का संग्रह है जिसमें सैद्धांतिक व्याख्याएं, कहानियां और नैतिक दिशानिर्देश शामिल हैं।

82. अश्वघोष ने बुद्धचरित की रचना की, जो बुद्ध की जीवनी है। बुद्धचरित बुद्ध के जीवन पर आधारित एक महाकाव्य है। अश्वघोष एक दार्शनिक और कवि थे जिन्हें कालिदास (5वीं शताब्दी) से पहले भारत का सबसे महान कवि माना जाता है।

83. बौद्ध धर्म के पवित्र ग्रन्थ को त्रिपिटक कहा जाता है जो पाली भाषा में लिखा गया है। जिस भाषा में इसे पहली बार लिखा गया था, उसके बाद इसे पाली कैनन भी कहा जाता है। बौद्ध धर्म के संस्थापक, सिद्धार्थ गौतम, 563 - 483 ईसा पूर्व में रहते थे। गौतम को बुद्ध के रूप में जाना जाता था, जिसका अर्थ "प्रबुद्ध" है।

84. द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन 383 ईसा पूर्व वैशाली, भारत में राजा कालाशोक के शासनकाल के दौरान हुआ था। इसकी अध्यक्षता सबकामी ने की। द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन मुख्य रूप से बौद्ध समुदाय के भीतर पैदा हुई कुछ मठ प्रथाओं पर विवाद को हल करने के लिए किया गया था।

85. बौद्ध वास्तुकला का मुख्य रूप से तीन प्रमुख भवन प्रकारों द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाता है: चैत्य हॉल (पूजा स्थल), विहार (मठ), और स्तूप (पूजा/स्मृति के लिए गोलार्द्ध का टीला)। चैत्य हॉल बौद्ध पूजा के स्थान हैं जो या तो ईंटों से बने थे या चट्टानों से खोदकर बनाए गए थे।

86. सिद्धार्थ, जिन्हें गौतम बुद्ध के नाम से भी जाना जाता है, बौद्ध धर्म के संस्थापक थे। बुद्ध के जीवन की घटनाएँ और संबद्ध प्रतीक हैं बुद्ध का जन्म - कमल, और बैल, महान प्रस्थान (महाभिनिष्क्रमण) - घोड़ा, ज्ञान (संबोधि) - बोधि वृक्ष, मृत्यु (महापरिनिर्वाण) - स्तूप, ज्ञानोदय (संबोधि) - बोधि वृक्ष, प्रथम उपदेश (धम्मचक्रपरिवर्तन) - पहिया।

87. आनंद और उपाली द्वारा क्रमशः सुत्तपिटक और विनयपिटक का संकलन प्रथम बौद्ध संगीति के तहत किया गया था। पहली बौद्ध परिषद 483 ईसा पूर्व में बुद्ध की मृत्यु के तुरंत बाद, राजगृह में, अजातशत्रु के संरक्षण में और महाकस्सप की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी।

88. सुत्त पिटक में बुद्ध की मुख्य शिक्षा या धम्म शामिल हैं। विनयपिटक में भिक्षुओं और भिक्षुणियों के मठवासी जीवन पर लागू आचरण और अनुशासन के नियम शामिल हैं। अभिधम्म पिटक भिक्षुओं के शिक्षण और विद्वत्तापूर्ण गतिविधियों का एक दार्शनिक विश्लेषण और व्यवस्थितकरण है।

89. बोधगया में ज्ञान प्राप्ति के बाद बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया था। इस घटना को बौद्ध ग्रंथों में धर्मचक्र-प्रवर्तन के रूप में जाना जाता है। सारनाथ में, बुद्ध ने संघ या भिक्षुओं के आदेश की नींव भी रखी।

जैन धर्म

90. वर्धमान महावीर जैन परंपरा के 24वें तीर्थंकर थे। उनका जन्म वैशाली के पास कुंडग्राम में क्षत्रिय माता-पिता सिद्धार्थ और त्रिशला के यहाँ हुआ था।

91. पहली जैन परिषद 300 ईसा पूर्व पाटलिपुत्र में हुई थी। पहली जैन महासभा पाटलिपुत्र (अब पटना के रूप में जानी जाती है) में आयोजित की गई थी।

92. त्रिपिटक एक पारंपरिक शब्द है जिसका उपयोग बौद्ध धर्मग्रंथों के लिए किया जाता है। महावीर की शिक्षाओं वाले ग्रंथों को आगम कहा जाता है। भद्रबाहु द्वारा रचित कल्पसूत्र और निरयुक्तियाँ जैन धर्म के तीन पवित्र ग्रंथों में से एक हैं।

93. चन्द्रगुप्त मौर्य ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना की। चंद्रगुप्त मौर्य जब 50 वर्ष के थे, तब उनका झुकाव जैन धर्म की ओर था, उनके गुरु भी जैन धर्म से थे जिनका नाम भद्रबाहु था। फलस्वरूप वह अपने जीवन के अंत में जैन धर्म का अनुयायी बन गया।

94. अभिनंदननाथ चौथे जैन तीर्थंकर थे। तीर्थंकर : एक तीर्थंकर को जैन धर्म में 'शिक्षण भगवान' या 'फोर्ड मेकर' (तट निर्माता) के रूप में जाना जाता है।

95. पहली जैन सभा 300 ईसा पूर्व में चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल के दौरान पाटलिपुत्र में हुई थी। यह बैठक स्थूलभद्र की अध्यक्षता में हुई। प्रथम जैन सभा में जैन धर्म को दिगंबर और श्वेतांबर दो भागों में विभाजित किया गया था।

96. अहिंसा (अहिंसा) को जैन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण मौलिक सिद्धांत माना जाता है। "अहिंसा परमो धर्म" भगवान महावीर ने बताया था। जैन धर्म के अन्य सिद्धांत सत्यवादिता (सत्य), गैर-चोरी (अस्तेय), ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह (अपरिग्रह) हैं।

97. जैन धर्म के अनुसार 'पंच-महाव्रत' सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य है। दूसरों को हानि न पहुँचाना (अहिंसा), झूठ बोलने से बचना (सत्य), और चोरी न करना (अस्तेय), शुद्धता बनाए रखना (ब्रह्मचर्य), और सभी भौतिक वस्तुओं को छोड़ देना (अपरिग्रह)।

98. "जैन" शब्द, संस्कृत शब्द "जिन" से व्युत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ इंद्रियों पर विजय प्राप्त करना होता है। वर्धमान महावीर जैनियों के अंतिम और 24वें तीर्थंकर थे। महावीर लिच्छवियों के एक क्षत्रिय राजकुमार थे। इस प्रकार केवल A और B सही हैं।

99. महावीर, जिन्हें वर्धमान के नाम से भी जाना जाता है, 24वें जैन तीर्थंकर थे। वह लिच्छवियों के एक क्षत्रिय राजकुमार थे, जो कि वज्जी संघ का एक समूह था।

100. महावीर जैन ने अपना उपदेश भाषा में दिया। साधारण लोग महावीर और उनके अनुयायियों की शिक्षाओं को समझ सकते थे क्योंकि वे प्राकृत और अर्द्धमागधी भाषाओं का प्रयोग करते थे।

101. तीर्थंकर पार्श्वनाथ, 23वें जैन तीर्थंकर, वाराणसी के राजा अश्वसेन और रानी वामा के पुत्र थे। वह लगभग 800 ईसा पूर्व वाराणसी में रहे थे। उन्होंने सम्मेत शिखर पर निर्वाण प्राप्त किया।

102. थेरीगाथा बौद्ध भिक्षुओं और भिक्षुणीयों की कहानियों का एक काव्य ग्रंथ है, जिसे बौद्ध त्रिपिटक साहित्य का एक हिस्सा माना जाता है। जैन साहित्य में बृहत्कल्पसूत्र, आचारांगसूत्र और सूत्रकृतांग शामिल हैं।

103. प्रारंभिक मध्यकाल में नागपट्टनम जैन धर्म का केंद्र नहीं था। नागापट्टिनम, तमिलनाडु का एक शहर है जो मध्यकालीन चोल काल के दौरान वाणिज्य और नौसैन्य अभियानों के लिए एक बंदरगाह के रूप में महत्वपूर्ण था।

104. जैन धर्म में, 'तीन रत्न' सम्यक् दर्शन (सही विश्वास), सम्यक् ज्ञान (सही ज्ञान) और सम्यक् चरित्र (सही आचरण) हैं। इन्हें 'जैन त्रिरत्न' भी कहा जाता है। अतः स्पष्ट है कि जैन त्रिरत्न में 'सम्यक् स्मृति' सम्मिलित नहीं है।

105. जैन धर्म के पहले तीर्थंकर ऋषभनाथ को माना जाता है, जिनका जन्म अयोध्या में हुआ था। उन्हें आदिनाथ और आदिश जीना के नाम से भी जाना जाता था।

106. तीर्थंकर, जैन धर्म (धार्मिक मार्ग) के एक धर्म रक्षक और आध्यात्मिक शिक्षक है। भगवान महावीर को जैन धर्म का संस्थापक कहा जाता है, लेकिन

जैनियों का मानना है कि पिछले 23 तीर्थंकरों ने भी इसका समर्थन किया था।

107. थेरिगाथा सुत्त पिटक का हिस्सा है। यह भिक्खुनियों द्वारा रचित छंदों का एक संग्रह है और यह महिलाओं के सामाजिक और आध्यात्मिक अनुभवों में एक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। थेरिगाथा, जिसका अक्सर वर्सेज ऑफ द एल्डर नन के रूप में अनुवाद किया जाता है, एक बौद्ध ग्रंथ है। यह भारत में रचित महिला साहित्य का सबसे पुराना ज्ञात संग्रह है। अतः कथन 1, 2 और 4 सही हैं।

108. कल्पसूत्र में जैन तीर्थंकरों के जीवन-चरित्र शामिल हैं, जिसे भद्रबाहु ने चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में लिखा था।

109. वल्लभी में आयोजित जैन परिषद् (द्वितीय) की अध्यक्षता नागार्जुन ने की थी। पहली और तीसरी जैन परिषद की अध्यक्षता क्रमशः स्थूलभद्र और देववर्धनी क्षमाश्रमण ने की थी।

मौर्य साम्राज्य

110. बलिदान अशोक के धम्म के सिद्धांतों में से एक नहीं है। अशोक का धम्म, जिसे अशोक के शिलालेख के रूप में भी जाना जाता है, नैतिक और नीतिपरक दिशानिर्देशों का एक समूह है, जिसे मौर्य सम्राट अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में अपने शासनकाल के दौरान प्रख्यापित किया था।

111. मेगस्थनीज, एक यूनानी राजदूत, ने उस उच्च सम्मान का वर्णन किया जिसमें भारत में दार्शनिकों को रखा गया था और गुलामी की अनुपस्थिति के लिए भारतीय समाज की प्रशंसा की। उनकी पुस्तक, इंडिका, ने देश के भूगोल, प्रशासन, समाज और लोककथाओं के साथ-साथ विदेशी जानवरों और ग्रीक किंवदंतियों और पौराणिक कथाओं के साथ समानता के बारे में जानकारी प्रदान की।

112. पाटलिपुत्र मौर्य साम्राज्य की राजधानी थी। मगध में स्थित दक्षिण एशिया में ऐतिहासिक युग की स्थापना 322 ईसा पूर्व में चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा की गई थी जो 185 ईसा पूर्व तक पतन की ओर चला गया।

113. अशोक ने मौर्य साम्राज्य पर शासन किया। वह पहला शासक था, जिसने ब्राह्मी लिपि में लिखे प्राकृत में अपने अधिकांश शिलालेखों के साथ शिलालेखों के माध्यम से लोगों तक अपना संदेश पहुँचाने का प्रयास किया था।

114. राजा अशोक विश्व के इतिहास के एकमात्र ऐसे राजा थे, जिन्होंने कलिंग युद्ध जीतने के बाद विजित क्षेत्र का त्याग कर दिया था। अशोक एक भारतीय सम्राट थे, जिन्होंने 268 ईसा पूर्व से 232 ईसा पूर्व तक मौर्य साम्राज्य पर शासन किया और अपने राज्याभिषेक के 9वें वर्ष में 261 ईसा पूर्व में कलिंग युद्ध लड़ा।

115. स्तंभ मौर्य-युग की वास्तुकला का सबसे अच्छा उदाहरण हैं। अशोक स्तंभों के शीर्ष पर पशु आकृतियाँ हैं जबकि ईरानी स्तंभों पर मानव आकृतियाँ हैं। अशोक स्तंभों के शीर्ष पर विभिन्न जानवरों की आकृतियों में बसाढ़ स्तंभ पर एक शेर और संकिसा स्तंभ पर एक हाथी शामिल हैं।

116. मौर्य प्रशासन अत्यधिक केंद्रीकृत था और मंत्रिपरिषद नामक मंत्रियों की एक परिषद थी। तीर्थ प्रशासन में अधिकारियों सर्वोच्च श्रेणी के थे और प्रशासनिक विभाग थे।

117. लौह युग वह काल है, जिसमें मनुष्य ने लोहे का प्रयोग किया। मौर्य साम्राज्य (321-185 ईसा पूर्व) प्राचीन भारत में एक शक्तिशाली राजवंश था जो 'लौह युग' के दौरान विकसित हुआ और फला-फूला। इसकी स्थापना का श्रेय चंद्रगुप्त मौर्य और उनके मंत्री चाणक्य (कौटिल्य) को दिया जाता है।

118. चंद्रगुप्त मौर्य ने नंद वंश के अंतिम शासक को हराकर मौर्य वंश की स्थापना की थी। हालाँकि, कलिंग पर उसका कब्जा नहीं था और अशोक के शासनकाल के दौरान उसे मौर्य साम्राज्य में शामिल कर लिया गया था।

119. सारनाथ स्तंभ में, चार जंतुओं को चार दिशाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखाया गया है: एक सरपट दौड़ने वाला घोड़ा (पश्चिम), जिसके बारे में कहा जाता है कि बुद्ध ने राजसी जीवन से दूर जाने के लिए इसका उपयोग किया था। एक बैल (पूर्व), वह महीना जिसमें बुद्ध का जन्म हुआ था। एक हाथी (दक्षिण), रानी माया के सपने को दर्शाता है और एक सिंह (उत्तर) आत्मज्ञान की प्राप्ति को दर्शाता है।

120. मेजर रॉक एडिक्ट 8 में अशोक की पहली धम्म यात्रा से बोधगया और बोधि वृक्ष का वर्णन है। इस शिलालेख में उन्होंने धम्म यात्राओं को महत्व दिया है। अशोक ने बोधगया में एक वज्रासन या हीरे के सिंहासन का निर्माण उस स्थान को चिन्हित करने के लिए किया था जहाँ बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

121. अशोक के शिलालेखों को शिलालेखों, स्तंभ शिलालेखों और गुफा शिलालेखों में विभाजित किया गया है। अशोक सबसे महान शासकों में से एक था और उसके निर्देश पर स्तंभों, चट्टानों और गुफाओं पर शिलालेख खुदवाए गए थे। वह पहला शासक था, जिसने शिलालेखों के माध्यम से अपना संदेश लोगों तक पहुँचाने का प्रयास किया।

122. वंश का अंतिम राजा बृहद्रथ था। मौर्य राजवंश मगध में स्थित भारतीय उपमहाद्वीप में एक व्यापक लौह युग की ऐतिहासिक शक्ति थी। इसकी राजधानी पाटलिपुत्र थी।

123. मौर्य काल में, सम्हारता राज्य या प्रांतों के विभिन्न हिस्सों से राजस्व के आकलन और संग्रह का प्रभारी अधिकारी था।

124. अशोक सबसे प्रसिद्ध मौर्य शासक था। अशोक के अधिकांश शिलालेख प्राकृत में थे और ब्राह्मी लिपि में लिखे गए थे। वह विश्व के इतिहास में एकमात्र ऐसे राजा हैं, जिन्होंने कलिंग युद्ध जीतने के बाद विजित क्षेत्र का त्याग कर दिया था। इसलिए, A और B गलत हैं और C सही है।

125. प्राचीन यूनानी इतिहासकार और राजनयिक मेगस्थनीज ने "इंडिका" पुस्तक में सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल के दौरान मौर्य राजधानी शहर पाटलिपुत्र में प्रशासन और जीवन का विस्तृत विवरण दिया है।

126. अशोक के शिलालेख मौर्य सम्राट अशोक द्वारा 268 ईसा पूर्व से 232 ईसा पूर्व के शासनकाल के दौरान बनाए गए शिलालेखों का एक संग्रह था। ये शिलालेख ब्राह्मी, खरोष्ठी, अरामाईक और ग्रीक सहित विभिन्न लिपियों में लिखे गए थे। नागरी, जिसे देवनागरी के नाम से भी जाना जाता है, का उपयोग लिपियों में से एक के रूप में नहीं किया गया था।

127.
कौटिल्य की आंतरिक राजव्यवस्था के अनुसार अरि का अर्थ है शत्रु राजा, विजीगीषु एक राजा है जो अपने राज्य का विस्तार करने की इच्छा रखता है, उदासीन एक तटस्थ राजा है, मध्यम एक मध्य राजा है और मित्र एक मित्र राजा है।

128. "धम्म" मौर्य राजा अशोक द्वारा प्रयुक्त प्राकृत शब्द है। शब्द "धम्म" बौद्ध शिक्षाओं और सिद्धांतों को संदर्भित करता है और अशोक ने इसका उपयोग शासन के अपने दर्शन का वर्णन करने के लिए किया, जो अहिंसा, करुणा और सामाजिक कल्याण के सिद्धांतों पर आधारित था।

129. प्राकृत, ग्रीक और अरामी भाषाएँ अशोक के शिलालेख थे। वे भारतीय सम्राट अशोक मौर्य द्वारा तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के दौरान प्राकृत, ब्राह्मी और खरोष्ठी जैसी विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखे गए आदेशों की एक श्रृंखला हैं और पूरे भारतीय उपमहाद्वीप और अफगानिस्तान और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों में पाए गए थे।

मौर्योत्तर काल

130. कुषाण साम्राज्य की स्थापना मध्य एशियाई युची जनजाति की एक शाखा द्वारा की गई थी जिसने धीरे-धीरे बैक्ट्रिया, काबुल घाटी और गांधार क्षेत्र पर विजय प्राप्त की। सदाक्षणा के पुत्र विमा कडफिसेस ने अपने शासनकाल के दौरान सिंधु के पूर्व और बिहार तक साम्राज्य का विस्तार किया।

131. सातवाहन वंश की स्थापना 230 ईसा पूर्व के आसपास सिमुख द्वारा की गई थी और इसमें कई शक्तिशाली राजा थे, जिनमें श्री शातकर्णी , गौतमीपुत्र शातकर्णी और श्री यज्ञ सातकर्णी शामिल थे, जिन्होंने सैन्य अभियानों के माध्यम से राज्य का विस्तार किया और कलाओं का संरक्षण किया।

132. सातवाहन काल में भूमि अनुदान का विकास हुआ, जिसके कारण भूमि आधारित सामाजिक पदानुक्रम का उदय हुआ। यह तेज इंडो-रोमन व्यापार और दक्कन के एक बड़े हिस्से को कवर करने वाले एक बड़े राज्य की स्थापना का भी समय था।

133. सातवाहनों ने सीसा, तांबा, सोना और चांदी के सिक्के ढाले। ये सिक्के डिजाइन और आकार में भिन्न थे, जो सातवाहन क्षेत्र के भीतर कई खनन स्थलों का संकेत देते थे।

134. कण्व वंश की स्थापना वासुदेव कण्व ने की थी, जिन्होंने शुंग शासक देवभूति को मार डाला और 72 ईसा पूर्व में अपना साम्राज्य स्थापित किया।

राजवंश ने थोड़े समय के लिए शासन किया और अंततः सातवाहन वंश द्वारा पराजित किया गया।

135. जो व्यापारी एक स्थान से दूसरे स्थान माल लेकर जाते समय 'समूहों' में यात्रा करते थे, उन्हें सार्थ कहा जाता था।

136. प्राकृत सातवाहन साम्राज्य की आधिकारिक भाषा थी। अधिकांश सातवाहन शिलालेख प्राकृत में लिखे गए थे क्योंकि यह आम भाषा के साथ-साथ साहित्य की भाषा भी थी। सातवाहनों ने अपनी आधिकारिक भाषा के रूप में संस्कृत के बजाय प्राकृत को प्राथमिकता दी। हाल के शासनकाल को प्राकृत का स्वर्ण युग माना जाता था।

137. शुंग वंश ने 185 ईसा पूर्व से 73 ईसा पूर्व तक पूर्वी भारत पर शासन किया और मगध क्षेत्र में मौर्यों का उत्तराधिकारी बना। उन्होंने नर्मदा नदी और उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों तक गंगा घाटी को शामिल करने के लिए अपने साम्राज्य का विस्तार किया, और विदिशा में परिवर्तित होने से पहले उनकी राजधानी शुरू में पाटलिपुत्र थी।

138. भागभद्र, शुंग वंश के आठवें शासक थे और ग्रीक राजा एंटीअलकाइड्स के राजदूत हेलियोडोरस, उनके शासनकाल के दौरान विदिशा आए और उन्होंने भागवत धर्म अपना लिया।

139. 185 ईसा पूर्व में मौर्य वंश को उखाड़ फेंकने के बाद पुष्यमित्र शुंग ने शुंग वंश की स्थापना की थी। राजवंश के 10 शासक थे जिन्होंने पाटिलपुत्र को अपनी राजधानी के रूप में कुल 112 वर्षों तक शासन किया।

140. कदंब राजवंश आधुनिक कर्नाटक का एक प्राचीन शाही राजवंश था। कदंब (345-525 ई) कर्नाटक, भारत का एक प्राचीन शाही परिवार था, जिसने उत्तरी कर्नाटक और वर्तमान उत्तर कन्नड़ जिले में बनवासी से कोंकण पर शासन किया था।

141. कनिष्क कुषाण वंश का एक प्रसिद्ध शासक था जिसके नेतृत्व में चौथी बौद्ध संगीति का आयोजन किया गया था। कनिष्क मूल रूप से मध्य एशिया के रहने वाले थे।

142. कण्व वंश के प्रथम शासक वासुदेव थे। उनके पुत्र भूमिमित्र उनके उत्तराधिकारी बने। भूमिमित्र ने चौदह वर्षों तक शासन किया और बाद में उनके पुत्र नारायण उनके उत्तराधिकारी बने। नारायण के उत्तराधिकारी उनके पुत्र सुशर्मन बने जो कण्व वंश के अंतिम राजा थे।

143. भारत पर सबसे पहले आक्रमण करने वाले यूनानी थे, जिन्हें इंडो-ग्रीक या बैक्ट्रियन ग्रीक कहा जाता है। दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व की शुरुआत में इंडो-यूनानियों ने उत्तर-पश्चिमी भारत के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

144. ग्रीक शासक और उनके संबंधित क्षेत्र सीरिया में एंटिओकस-I, मिस्र में टॉलेसी-I, मैसेडोनिया में एंटीगोनस-I और सिरेनेइका में मैगस हैं। उन सभी ने 284 से 246 ईसा पूर्व हेलेनिस्टिक काल के दौरान शासन किया।

145. कुषाणों के शासन के दौरान पेशावर और मथुरा सत्ता के दो प्रमुख केंद्र थे। उनके शासन के दौरान, रेशम मार्ग की एक शाखा मध्य एशिया से सिंधु नदी के मुहाने पर बंदरगाहों तक फैली हुई थी, जहाँ से रेशम को पश्चिम की ओर रोमन साम्राज्य में भेजा जाता था।

146. सिक्के भारतीय और ग्रीक शिलालेखों के साथ पाए गए हैं और इंडो-यूनानियों के अध्ययन के लिए एक प्राथमिक स्रोत भी हैं। इन राजाओं के शासनकाल के कई सिक्के मिले हैं एवं इनके बारे में ज्यादातर जानकारी हमें इन्हीं सिक्कों से मिलती है, कई सिक्कों में भारतीय देवी-देवताओं की तस्वीरें भी मिली हैं।

147. गौतमीपुत्र सातकर्णी को सातवाहन वंश का सबसे महान राजा माना जाता है। वासिष्ठीपुत्र श्री पुलुमावी उनके तत्काल उत्तराधिकारी थे।

148. मौर्योत्तर काल में, 'स्तूप' वास्तुकला बौद्ध धर्मों या मान्यताओं से संबंधित है।

149. पाटलिपुत्र प्रारंभिक शुंगों की राजधानी थी। 185 ईसा पूर्व में मौर्य साम्राज्य की गद्दी संभालने के बाद पुष्यमित्र शुंग द्वारा राजवंश की स्थापना की गई थी।

गुप्त काल

150. कवि कालिदास और खगोलविद आर्यभट्ट, राजा चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार में उपस्थित थे, जिन्होंने भारत में गुप्त साम्राज्य पर 380 से 415 ईस्वी तक शासन किया था। इस समय के दौरान, गुप्त साम्राज्य ने महान सांस्कृतिक और वैज्ञानिक उन्नति की अवधि का अनुभव किया और कालिदास और आर्यभट्ट दोनों ने क्रमशः भारतीय साहित्य और खगोल विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

151. चंद्रगुप्त प्रथम गुप्त वंश के पहले शासक थे, जिन्होंने महाराजाधिराज की भव्य उपाधि धारण की थी। वह गुप्त वंश के संस्थापक थे और उसने लगभग 320 ईस्वी से 335 ईस्वी तक शासन किया। महाराजधिराज की उपाधि को अपनाने से एक शक्तिशाली राजा के रूप में उनके अधिकार और प्रभुत्व का संकेत मिलता है।

152. समुद्रगुप्त के शासनकाल में संधि-विग्रहिका का अर्थ युद्ध और शांति मंत्री था। समुद्रगुप्त एक प्राचीन भारतीय सम्राट थे, जिन्होंने 335 ईस्वी से 375 CE तक शासन किया था। वह गुप्त साम्राज्य के संस्थापक चंद्रगुप्त प्रथम के पुत्र थे और उन्हें प्राचीन भारत के महानतम सम्राटों में से एक माना जाता है।

153. हरिषेण संस्कृत के कवि, माधुर्यवादी और सरकारी मंत्री थे। वह समुद्रगुप्त के दरबारी कवि थे। उनकी समुद्रगुप्त की बहादुरी का वर्णन करने वाली कविता इलाहाबाद स्तंभ पर अंकित है।

154. जूनागढ़ शिलालेख, स्कंदगुप्त के राज्यपाल पर्णदत्त के आदेश पर निर्मित किया गया एक शिलालेख है, जिसमें पूर्ववर्ती सम्राटों, अशोक और रुद्रदमन के शिलालेख हैं। शिलालेख में कहा गया है कि स्कंदगुप्त ने सौराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में पर्णदत्त सहित सभी प्रांतों के राज्यपाल नियुक्त किए। सौराष्ट्र, गुजरात का एक प्रायद्वीपीय क्षेत्र है, जो अरब सागर तट पर स्थित है।

155. गुप्तों ने सोने, चांदी और तांबे के सिक्कों का इस्तेमाल किया, जिसमें गुप्त सिक्कों का सबसे बड़ा भंडार बयाना में पाया गया। गुप्त काल में तांबे के सिक्के कम प्रचलित थे और मुद्रा प्रणाली पिछले काल की तरह जीवन का अभिन्न अंग नहीं थी।

156. गुप्तकाल में पूर्वी भारत का समुद्री व्यापार का सबसे बड़ा केंद्र ताम्रलिप्ति था। भारत के पूर्वी तट पर स्थित ताम्रलिप्ति पश्चिम और सुदूर पूर्व के साथ समुद्र और भूमि दोनों से जुड़े सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक था। यह बनारस और तक्षशिला से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ था।

157. अष्टाध्यायी, पाणिनि द्वारा रचित संस्कृत व्याकरण है। मुद्राराक्षस, गुप्त काल के संस्कृत नाटककार शूद्रक द्वारा लिखित नाटक है। बृहत्संहिता, वराहमिहिर द्वारा लिखित ज्योतिष, खगोल विज्ञान, भूगोल, वास्तुकला, मौसम और संकेतों के विज्ञान का एक विश्वकोश है। मृच्छकटिकम्, विशाखदत्त द्वारा रचित एक संस्कृत नाटक है।

158. उज्जयिनी चंद्रगुप्त द्वितीय की दूसरी राजधानी थी। भारतीय राज्य मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में उज्जैन शहर है।

159. इलाहाबाद प्रशस्ति मूल रूप से इलाहाबाद के पास कौशांबी में अशोक स्तंभ पर खुदी हुई थी। समुद्रगुप्त के दरबारी कवि और मंत्री हरिषेण ने इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख या प्रयाग प्रशस्ति की रचना की। इस शिलालेख के अनुसार, समुद्र गुप्त ने उत्तर में 9 राजाओं और दक्षिण में 12 राजाओं को पराजित किया, जिससे सभी अटाविका राज्यों को जागीरदार बना दिया गया।

160. प्राचीन भारत में, गुप्त वंश ने तीसरी शताब्दी के मध्य से अंत तक (लगभग) 543 ईस्वी तक शासन किया। श्री गुप्त द्वारा स्थापित, राजवंश चंद्रगुप्त-I और समुद्र गुप्त जैसे शासकों के साथ प्रसिद्धि के लिए बढ़ा। प्राचीन भारत में गुप्त काल को "स्वर्ण युग" कहा जाता है।

161. गुप्त शासकों के लिए उज्जैन सत्ता का महत्वपूर्ण केंद्र था। यह व्यापार, धर्म और संस्कृति का एक बड़ा केंद्र था और गुप्त साम्राज्य की दूसरी राजधानी बना। इस शहर को मध्य प्रदेश का पवित्र शहर और ऐतिहासिक काल से एक महत्वपूर्ण शहर माना जाता है।

162. कौटिल्य, जिन्हें चाणक्य के नाम से भी जाना जाता है, एक प्राचीन भारतीय शिक्षक, दार्शनिक, अर्थशास्त्री, न्यायविद् और शाही सलाहकार थे। वह प्राचीन भारतीय राजनीतिक और आर्थिक ग्रंथ, अर्थशास्त्र के लेखक हैं। चाणक्य ने नंद राजा को उखाड़ फेंक कर पहले मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त की सत्ता में वृद्धि में सहायता की।

163. भारतीय इतिहास में गुप्त साम्राज्य के शासनकाल को भारत का स्वर्ण युग कहा जाता था। गुप्त साम्राज्य 320 ईस्वी में प्रमुखता से बढ़ा और उत्तरी भारत के बड़े हिस्से और दक्षिणी भारत के मध्य और छोटे हिस्सों में फैल गया।

164. समुद्रगुप्त गुप्त वंश का दूसरा शासक था। सेना की महत्त्वाकांक्षा के कारण उन्हें भारत का नेपोलियन भी कहा जाता है। उन्होंने कई युद्ध लड़े और

इस प्रकार उन्हें 'पृथ्वीव्याह प्रथम वीर' की उपाधि से सम्मानित किया गया, जिसका अर्थ दुनिया का पहला शक्तिशाली व्यक्ति है।

165. उपरिका, गुप्त साम्राज्य में प्रांतीय राज्यपालों का नाम था। राजा ने कुमारमात्य और आयुक्त नामक अधिकारियों के एक समूह के माध्यम से प्रांतीय प्रशासन के साथ गहरा संपर्क बनाए रखा, गुप्त साम्राज्य में भुक्ति प्रांतों का नाम था।

166. गुप्त युग (320-550 ईस्वी) के समकालीन, सुश्रुत इतिहास के पहले सर्जन हैं और उन्हें प्लास्टिक सर्जरी के जनक के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने सुश्रुत संहिता नामक ग्रंथ की रचना की। इसे आयुर्वेदिक चिकित्सा की महान त्रयी की बेहतरीन पुस्तकों में से एक माना जाता है।

167. प्रयागप्रशस्ति के नाम से जाने जाने वाले इलाहाबाद के अशोक स्तंभ पर उत्कीर्ण एक शिलालेख हमें रामगुप्त के परिग्रहण और विजय के बारे में जानकारी देता है। इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख, प्रारंभिक गुप्त शासक समुद्रगुप्त की उपलब्धियों को दर्ज करने वाला सबसे पुराना शिलालेख, इस क्षेत्र से आता है।

168. समुद्रगुप्त कई कवियों और विद्वानों का संरक्षक था, जिनमें से एक हरिषेण थे, समुद्रगुप्त चंद्रगुप्त प्रथम का पुत्र और उत्तराधिकारी था और गुप्त वंश का सबसे महान शासक था। प्रयाग प्रशस्ति के नाम से जाने जाने वाले इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख में हरिषेण द्वारा रचित 33 पंक्तियाँ हैं।

169. चंद्रगुप्त के दरबार को प्रसिद्ध विद्वानों द्वारा सामूहिक रूप से 'नवरत्नों' के रूप में जाना जाता था। अमरसिंह, धन्वंतरि, घटकर्पर, कालिदास, क्षपणक, शंकु, वराहमिहिर, वररुचि, वेताल-भट्ट, हरिषेण नामक नौ रत्न या नवरत्न हैं। इसलिए, सुश्रुत चंद्रगुप्त-द्वितीय के दरबार में नहीं थे।

गुप्तोत्तर काल

170. बाणभट्ट एक प्रसिद्ध भारतीय संस्कृत लेखक और कवि थे, जो 7वीं शताब्दी ईस्वी में हर्षवर्धन के दरबार में रहते थे। उन्हें उनकी साहित्यिक कृति "कादम्बरी" के लिए जाना जाता है।

171. पल्लव साम्राज्य के दौरान बौद्ध धर्म और जैन धर्म बहुत सक्रिय थे, जो ह्वेन त्सांग के कथनों से स्पष्ट होता है। अधिकांश पल्लव राजा वैष्णववाद और शैववाद दोनों के अनुयायी थे। पल्लव राजाओं ने अग्निस्तोम, वाजपेय और अश्वमेध यज्ञ जैसे वैदिक यज्ञ भी किए, जो वैदिक यज्ञों के अनुरूप थे।

172. गुप्तकाल के बाद की अवधि में वाणिज्यिक गतिविधियों में गिरावट देखी गई, विशेष रूप से विदेशी व्यापार में, रेशम व्यापार की हानि और हूण आक्रमण जैसे कारकों के कारण। हालाँकि, बुनियादी ज़रूरतों और विलासिता की वस्तुओं जैसे घोड़ों का व्यापार जारी रहा और लंबी दूरी के आंतरिक व्यापार को भी नुकसान उठाना पड़ा।

173. त्रिपक्षीय संघर्ष 8वीं-9वीं शताब्दी सीई में कान्यकुब्ज के नियंत्रण के लिए पलास, गुर्जर-प्रतिहारों और राष्ट्रकूटों के बीच एक प्रतियोगिता थी, राष्ट्रकूट परिवार में घरेलू विद्रोह के कारण प्रतिहारों ने अंततः कन्नौज की विजय के बाद उत्तर में सत्ता हासिल की। .

174. पल्लवों के शिलालेखों में एक सभा का उल्लेख है, जो ब्राह्मण भूस्वामियों की एक बैठक थी। पल्लव एक दक्षिण भारतीय राजवंश थे, जिन्होंने तीसरी से 9वीं शताब्दी ईस्वी तक वर्तमान तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों पर शासन किया था।

175. पल्लव शासनकाल के दौरान, उर एक ग्राम सभा थी, जो उन क्षेत्रों में आयोजित की जाती थी जहाँ जमींदार ब्राह्मण नहीं थे, जबकि यह नगर व्यापारियों का एक संगठन था। सभा ब्राह्मणों को दी गई भूमि थी और इसे अग्रहार गाँव भी कहा जाता था और ये कर-मुक्त थे।

176. वर्तमान कर्नाटक में ऐहोल चालुक्यों की पहली राजधानी थी, जहाँ उन्होंने 6वीं शताब्दी ईस्वी के कई मंदिरों का निर्माण किया था। बाद में 543 में पुलकेशिन प्रथम द्वारा राजधानी को बादामी में बदल दिया गया।

177. कुलोत्तुंग पूर्वी चालुक्य वंश का शासक था, जिसे वेंगी के चालुक्य के रूप में भी जाना जाता है, जिसने 7वीं से 12वीं शताब्दी ईस्वी तक दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों पर शासन किया था। कुलोत्तुंग इस राजवंश के सबसे शक्तिशाली राजाओं में से एक थे और उन्होंने लगभग 1070 ईस्वी से 1122 ईस्वी तक शासन किया।

178. पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम् थी। पल्लव चौथी शताब्दी ईस्वी के आसपास दक्षिण में एक दुर्जेय शक्ति के रूप में उभरे। वे लगभग 500 वर्षों तक अपने शासन को बनाए रखने में सक्षम थे। उन्होंने महान शहरों, शिक्षा केंद्रों, मंदिरों और मूर्तियों का निर्माण किया और संस्कृति में दक्षिण पूर्व एशिया के एक बड़े हिस्से को प्रभावित किया।

179. नालंदा विश्वविद्यालय को वर्तमान बिहार, भारत में स्थित हर्ष द्वारा विशेष संरक्षण दिया गया था। नालंदा प्राचीन भारत के सबसे प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक था,और इसने विश्व भर के छात्रों और विद्वानों को आकर्षित किया।

180. अपराजित वर्मन, पल्लव वंश का अंतिम शासक था। 9वीं शताब्दी के अंत में उन्हें आदित्य चोल ने पराजित किया, जिसके साथ ही दक्षिण भारत में चोल वर्चस्व की शुरुआत हुई।

181. पल्लवों ने वास्तुकला की ममल्ला शैली के आधार पर महाबलीपुरम् में सात रथ मंदिरों का निर्माण किया। इसे 7वीं शताब्दी में नरसिंहवर्मन ने बनवाया था।

182. चालुक्य वंश ऐहोल शिलालेख से जुड़ा था। ऐहोल शिलालेख रविकीर्ति द्वारा लिखा गया था, जो चालुक्य राजा, पुलकेशिन द्वितीय के एक दरबारी कवि थे, जिन्होंने 610 से 642 ईस्वी तक शासन किया था। पुलकेशिन द्वितीय द्वारा हर्षवर्धन की पराजय का उल्लेख ऐहोल शिलालेख में मिलता है।

183. पल्लव शिक्षा के महान संरक्षक थे। पल्लवों के काल में कांची शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। कांचीपुरम् शिक्षा का एक केंद्र था और इसे घटिकास्थानम् या "अधिगम स्थल" के रूप में जाना जाता था।

184. मयूर शर्मन एक विद्वान ब्राह्मण थे, जिन्होंने एक पल्लव अधिकारी द्वारा अपमानित किए जाने के बाद, एक सैन्य कैरियर बनाया और पश्चिमी तट पर एक सामंती रियासत के लिए पल्लवों के साथ सौदेबाजी करने के लिए पर्याप्त क्षेत्र हासिल किया। मयूर शर्मन हर्षवर्धन के दरबार में नहीं थे।

185. हर्षचरित भारतीय सम्राट हर्षवर्धन का जीवन-चरित्र है, जिसे बाण या बाणभट्ट ने संस्कृत में लिखा था। उन्होंने 'कादम्बरी' नामक नाटक भी लिखा था।

186. हर्षवर्धन कला के महान संरक्षक थे, वे एक सिद्धहस्त लेखक थे। उन्हें संस्कृत कृतियों रत्नावली, प्रियदर्शिका और नागनंद के लेखन का श्रेय दिया जाता है। इसके अलावा, हर्ष एक सक्षम सैन्य विजेता और एक सक्षम प्रशासक थे और मुसलमानों के आक्रमण से पहले भारत में एक विशाल साम्राज्य पर शासन करने वाले अंतिम राजा थे।

187. 606 ईस्वी से 647 ईस्वी तक, हर्षवर्धन एक भारतीय सम्राट थे, जिन्होंने भारत के उत्तरी भागों पर शासन किया था। थानेश्वर, आधुनिक हरियाणा में, उनकी पहली राजधानी थी, बाद में उन्होंने थानेसर और कन्नौज राज्यों का विलय कर दिया और अपनी राजधानी को थानेसर से कन्नौज में स्थानांतरित कर दिया।

188. ह्वेनसांग एक चीनी तीर्थयात्री था, जो हर्षवर्धन के शासनकाल के दौरान भारत आया था। वह अफगानिस्तान के रास्ते मध्य एशिया से आया और उसी रास्ते से वापस चला गया। ह्वेनसांग ने नालंदा में अध्ययन किया और बाद में वहाँ केवल नौ वर्षों तक पढ़ाया।

189. पुलकेशिन द्वितीय के शासनकाल के दौरान कवि रविकृति द्वारा ऐहोल शिलालेख लिखा गया था। यह शिलालेख पुलकेशिन की विजयों के बारे में जानकारी देता है, विशेषकर उसने हर्षवर्धन को कैसे हराया।

चेर, चोल और पांड्य

190. राजराजा प्रथम, एक चोल सम्राट, ने 985 और 1014 ईस्वी के बीच शासन किया। वह दक्षिण भारत में सबसे शक्तिशाली तमिल राजा के रूप में अपने समय के दौरान चोल आधिपत्य को बहाल करने और पूरे हिंद महासागर में अपना प्रभुत्व हासिल करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने उत्तरी श्रीलंका, चेर देश और पांड्या देश के बड़े हिस्से पर शासन किया ।

191. कुलशेखर पांडियन ने 1279 ईस्वी में राजेंद्र चोल III को हराया, चोल राज्य शासन के अंत को चिह्नित किया। उन्होंने 1268 से 1308 तक पांड्य राजा के रूप में शासन किया।

192. राजराज प्रथम (985 - 1014 ईस्वी), अरुमोलीवर्मन के रूप में पैदा हुआ, चोल साम्राज्य का सबसे शक्तिशाली शासक था। उनके प्रशंसित नौसैनिक अभियानों के कारण चोलों का पश्चिमी तट और श्रीलंका में विस्तार हुआ। उन्होंने तंजावुर में प्रसिद्ध राजराजेश्वरम (बृहदेश्वर) मंदिर का निर्माण किया।

193. चोल शासकों ने प्रशासन की एक सुव्यवस्थित व्यवस्था स्थापित की। प्रशासनिक सुविधा के लिए, साम्राज्य को प्रांतों या प्रभागों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक मंडल को नाडुओं में उप-विभाजित किया गया था। प्रत्येक नाडू के भीतर, कई कुर्रम (गाँवों के समूह) थे। सबसे निचली इकाई ग्राम (गाँव) थी।

194. राजाओं ने भगवान के प्रति अपनी भक्ति और अपनी शक्ति और धन का प्रदर्शन करने के लिए मंदिरों का निर्माण किया। उदाहरण के लिए, ग्यारहवीं शताब्दी की शुरुआत में, जब चोल राजा राजेंद्र प्रथम ने अपनी राजधानी में एक शिव मंदिर का निर्माण किया, तो उन्होंने इसे पराजित शासकों से जब्त की गई बेशकीमती मूर्तियों से भर दिया। A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

195. 14वीं शताब्दी के मध्य तक पांड्य साम्राज्य दक्षिण भारत में एक तमिल साम्राज्य था, जिसकी राजधानी मदुरै थी। पांड्य तीन प्राचीन तमिल राजवंशों में से एक थे और उनका शासन चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से 16वीं शताब्दी ईसा पूर्व तक चला था।

196. पांड्य राजवंश भारतीय प्रायद्वीप के चरम दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम में स्थित था और कडुंगों के तहत अपनी शक्ति को पुनर्जीवित करने के लिए जाना जाता था। उन्होंने भूमि राजस्व, व्यापार कर और रोमन साम्राज्य के साथ व्यापार से आय अर्जित की।

197. कोरकाई बंदरगाह:

- यह पांड्य वंश की राजधानी में से एक था।
- बाद में, राजधानी 14वीं शताब्दी के मध्य तक मदुरै और 14वीं शताब्दी के मध्य से 16वीं शताब्दी तक तेनकासी थी।
- राजवंश तीन तमिलों में से एक था, अन्य दो चोल और चेरस थे ।

198. चोल वंश दक्षिणी भारत का एक तमिल थैलासोक्रेसी साम्राज्य था जिसने लंबे समय तक शासन किया। मध्यकालीन चोल शासनकाल के दौरान चोल नौसेना एक महत्वपूर्ण शक्ति थी और नौसेना अभियानों और दूतावासों के माध्यम से साम्राज्य का विस्तार करने में मदद की। हालांकि, 13वीं शताब्दी में भूमि युद्धों और पांड्य वंश के उदय के कारण चोल नौसेना का पतन हो गया।

199. चोल वंश व्यापक रूप से स्थानीय स्वशासन के लिए जाना जाता था। चोल राजवंश एक तमिल राजवंश था जिसने 9वीं से 13वीं शताब्दी सीई तक दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों पर शासन किया था। चोल वंश कला, वास्तुकला, साहित्य, संगीत और नृत्य में अपनी महान उपलब्धियों के लिए जाना जाता है।

200. राजा विजयालय चोल राजवंशों से संबंधित थे। इंपीरियल चोल राजवंश के संस्थापक विजयालय थे। चोल राजवंश एक तमिल राजवंश था जिसने 9वीं से 13वीं शताब्दी तक दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों पर शासन किया था।

201. कल्याणी के चालुक्य दक्षिण भारत में चोल वंश के मुख्य प्रतिद्वंद्वी थे। इन दोनों राजवंशों के बीच संघर्ष 200 से अधिक वर्षों तक बना रहा। इस राजवंश के शासकों में से एक जिन्हें सबसे उल्लेखनीय शासक माना जाता है, विक्रमादित्य VI हैं जो एक बहुत ही कुशल और महत्वाकांक्षी सैन्य नेता थे।

202. कुशल ग्रामीण प्रशासन के लिए प्रसिद्ध राजवंश चोल साम्राज्य था। माना जाता है कि चोलों ने दक्षिण भारत में पल्लवों को उखाड़ फेंका था। वे 9वीं शताब्दी में प्रमुख हो गए और दक्षिण भारत के बड़े हिस्से को मिलाकर एक साम्राज्य स्थापित किया। शाही चोल वंश के संस्थापक विजय थे।

203. केरल राज्य मुख्य रूप से चेरा राजवंश के लिए जाना जाता हैं। चेरा राजवंश प्राचीन तमिल राजवंशों में से एक था जिसने प्राचीन काल से पंद्रहवीं शताब्दी CE तक दक्षिण भारत पर शासन किया था।

204. आदि शंकराचार्य "अद्वैत वेदांत" के संस्थापक थे और राजशेखर वर्मा "वलपल्ली प्लेट्स" के लिए प्रसिद्ध थे, जो केरल से खोजे जाने वाले चेरा राजा का पहला अभिलेखीय रिकॉर्ड था।

205. पेरुमचेरल इरुम्पोरई और यानाइक-कट-सेय मंदारंजरल इरुम्पोरई प्रारंभिक ऐतिहासिक दक्षिण भारत के दो चेरा राजा थे। पेरुमचेरल इरुम्पोरई तगादुर के विजेता थे और इरुम्पोरई वंश के सदस्य थे, जबकि यानाइक-कैट-से मंदारंजरल इरुम्पोराय को उनके पांड्या समकालीन द्वारा कब्जा कर लिया गया था, लेकिन उन्होंने अपनी स्वतंत्रता वापस पा ली।

206. राजेंद्र चोल (985 - 1014 AD): वह चोल साम्राज्य के महानतम सम्राटों में से एक थे। उनके शासनकाल में, चोलों का विस्तार दक्षिण भारत से परे उत्तर में कलिंग से लेकर दक्षिण में श्रीलंका तक फैला हुआ था। उन्होंने गंगईकोंडा चोलपुरम में शिव मंदिर का निर्माण किया।

207. राजेंद्र चोल प्रथम (1014-44 AD) को दक्षिण भारत के महानतम शासकों और सैन्य जनरलों में से एक माना जाता था। उसने कई ट्रांस-गंगा राज्यों पर विजय प्राप्त की और गंगईकोंडा चोल की उपाधि धारण की। उन्होंने गंगाईकोंडचोलपुरम शहर की स्थापना की और शहर में प्रसिद्ध रामेश्वरम मंदिर का निर्माण किया।

208. मध्यकालीन चोल राजा राजेंद्र चोल प्रथम ने 1019 और 1024 के बीच उत्तर भारत में एक अभियान का नेतृत्व किया। इस अभियान ने वेंगी, कलिंग, ओड्डा और बंगाल राज्यों को पार किया और गंगा नदी में उनके आगमन के साथ समापन हुआ।

209. कैलाश मंदिर एलोरा गुफाओं, महाराष्ट्र में रॉक-कट हिंदू मंदिरों में सबसे बड़ा है। कैलाश मंदिर 34 बौद्ध, जैन और हिंदू गुफा मंदिरों में से सबसे बड़ा है और मठों को सामूहिक रूप से एलोरा गुफाओं के रूप में जाना जाता है। मंदिर की अधिकांश खुदाई का श्रेय आमतौर पर आठवीं शताब्दी के राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम (756-773 ईस्वी) को दिया जाता है।

क्षेत्रीय राज्य

210. ईशानवर्मन कन्नौज के पहले स्वतंत्र मौखरि शासक थे जिन्होंने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की थी। मौखरि वंश ने कन्नौज में अपनी राजधानी के साथ उत्तर प्रदेश और मगध के कुछ हिस्सों पर शासन किया, और 6 वीं शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास इसका गठन किया गया था।

211. यशोधर्मन ने 528 ईस्वी में हूणों को हराया। मध्य एशियाई जनजातियों के हूणों के समूह ने खैबर दर्रे को पार करके भारतीय उपमहाद्वीप में पांचवीं या छठी शताब्दी की शुरुआत में प्रवेश किया।

212. परमार वंश की धार राजधानी थी। धार भारत के मध्य प्रदेश राज्य के मालवा क्षेत्र में है।

213. शैल, औलिकर, परमार और कच्छपघात राजवंश चौथी और 14वीं शताब्दी ईस्वी के बीच मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत थे। वे विभिन्न शासकों द्वारा स्थापित किए गए थे और उनके संबंधित क्षेत्रों से प्राप्त विभिन्न शिलालेखों में उनका उल्लेख है।

214. धर्मशाला ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की और नालंदा विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित किया। विक्रमशिला बिहार के भागलपुर में स्थित है।

215. दंतिदुर्ग ने राष्ट्रकूट राज्य की स्थापना की। दंतिदुर्ग, जिसे दंतिवर्मन के नाम से भी जाना जाता है, मान्यखेट के राष्ट्रकूट राज्य के संस्थापक थे।

216. भारत के इतिहास के संदर्भ में, इश्वकु राजवंशों को सूर्यवंश के रूप में जाना जाता है। भारतीय महाकाव्यों में, सौर वंश, या इक्ष्वाकु वंश की स्थापना पौराणिक राजा इक्ष्वाकु द्वारा की गई थी।

217. वर्मन की उपाधि कामरूप के राजाओं द्वारा अपनाई गई थी। वर्मन वंश (350-650) कामरूप साम्राज्य का पहला ऐतिहासिक राजवंश था। इसकी स्थापना समुद्रगुप्त के समकालीन पुष्यवर्मन ने की थी।

218. नन्नुक ने चंदेल वंश की स्थापना की। उन्होंने जेजाकभुक्ति क्षेत्र (वर्तमान मध्य प्रदेश में बुंदेलखंड) में शासन किया।

219.
मिहिर भोज भारतीय उपमहाद्वीप में गुर्जर-प्रतिहार वंश के शासक थे। मिहिरभोज को लोकप्रिय रूप से भोज प्रथम कहा जाता था।

220. दिए गए शासक और उनके संबंधित राजवंश विजयालय - चोल, पुलकेशिन - I - वातापी चालुक्य, सिंहवर्मन - पल्लव, और विजयादित्य - चालुक्य हैं। इन शासकों ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अपने संबंधित राजवंशों की स्थापना और विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

221. थानेश्वर पुष्यभूति वंश के प्रभाकरवर्धन शासक की राजधानी थी।

222. दक्षिण कोसल मध्य भारत का एक ऐतिहासिक क्षेत्र है, जो वर्तमान छत्तीसगढ़ और पश्चिमी ओडिशा में स्थित है। कोसल राज्य आंदोलन पश्चिमी ओडिशा क्षेत्र के लोगों द्वारा ओडिशा राज्य से अलग होने का एक प्रयास है।

223. कुषाण साम्राज्य की स्थापना पहली शताब्दी में कुजुला कडफिसेस ने की थी और यह एक समधर्मी साम्राज्य था। कुजुला कडफिसेस एक कुषाण

राजकुमार था, जिसने युएझी परिसंघ को एकजुट किया और बौद्ध धर्म के संरक्षण के लिए जाने जाने वाले पहले कुषाण सम्राट बने।

224. रविकीर्ति 'पुलकेशिन द्वितीय' के दरबारी कवि थे। पुलकेशिन द्वितीय चालुक्य वंश के सबसे प्रसिद्ध शासक थे जिन्होंने 610 से 642 ईस्वी तक शासन किया था।

मध्यकालीन इतिहास

दिल्ली सल्तनत

1. निम्नलिखित में से किस राजवंश ने तुगलक वंश से पहले शासन किया था?
A) खिलजी वंश
B) सैय्यद राजवंश
C) लोदी राजवंश
D) मुगल वंश

2. तैमूर ने किस वर्ष दिल्ली पर कब्जा किया था?
A) 1405
B) 1409
C) 1398
D) 1414

3. फिरोज शाह तुगलक का मकबरा _____ में स्थित है।
A) आगरा
B) मुल्तान
C) पानीपत
D) दिल्ली

4. पृथ्वीराज चौहान ने दिल्ली में _____ के दौरान शासन किया था।
A) 1210 - 1236
B) 1206 - 1210
C) 1236 - 1240
D) 1175 - 1192

5. रजिया सुल्तान को सिंहासन से किस वर्ष में हटा दिया गया था?
A) 1240
B) 1238
C) 1236
D) 1235

6. निम्नलिखित में से किस राजवंश ने सैय्यद वंश के ठीक बाद दिल्ली पर शासन किया?
A) खिलजी वंश
B) लोदी वंश
C) राजपूत राजवंश
D) तुगलक वंश

7. निम्नलिखित में से कौन दिल्ली का पहला सैय्यद शासक था?
A) खिज्र खान
B) मुबारक शाह
C) मुहम्मद शाह
D) आलम शाह

8. किस काल में भारत में गुलाम वंश का अस्तित्व था?
A) 899-1000 ईस्वी
B) 1206-1290 ईस्वी
C) 189-321 ईस्वी
D) 1690-1715 ईस्वी

9. _____ ने 1206-1210 के दौरान दिल्ली में शासन किया।
A) शम्सुद्दीन इल्तुतमिश
B) कुतुबुद्दीन ऐबक
C) रज़िया
D) अनंगपाल

10. दिल्ली सल्तनत के दौरान 'दीवान-ए-इंशा' का विभाग किस से संबंधित था?
A) सार्वजनिक कार्यों से
B) धार्मिक मामलों से
C) राज्य पत्राचार से
D) व्यापार मामलों से

11. निम्नलिखित में से किस दिल्ली सुल्तान ने उलेमाओं को राज्य के मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी?
A) गयासुद्दीन बलबन
B) अलाउद्दीन खिलजी
C) इल्तुतमिश
D) कुतुबुद्दीन ऐबक

12. भारतीय उपमहाद्वीप की पहली महिला मुस्लिम शासक कौन थी?
A) चांद बीबी
B) जहाँआरा
C) ज़ेब-उन-निसा
D) रजिया सुल्तान

13. फारसी शब्द 'बंदगान' का प्रयोग दिल्ली सल्तनत के प्रारंभिक काल में _____ के लिए किया गया था।
A) सैन्य सेवा के लिए खरीदे गए विशेष सेवक
B) ग्रामीण इलाकों में गुप्त रूप से काम करने वाले जासूस
C) हिंदू जनसंख्या
D) सुल्तान के सुरक्षाकर्मी

14. गुलाम वंश की आय का मुख्य स्रोत क्या था?
A) जज़िया कर
B) भू-राजस्व
C) सिंचाई कर
D) तीर्थयात्रा कर

15. सल्तनत के इतिहास में पहली बार, एक दिल्ली सुल्तान, _____ ने मंगोल क्षेत्र पर कब्जा करने के लिए एक अभियान की योजना बनाई।
A) मुहम्मद तुगलक
B) अलाउद्दीन खिलजी
C) जलालुद्दीन खिलजी
D) गयासुद्दीन बलबन

16. दीवान-ए-अर्ज था:
A) सल्तनत में मुख्य राजस्व विभाग
B) सल्तनत की कार्यकारी शाखा
C) सल्तनत का प्रमुख समुद्री विभाग
D) सल्तनत में सैन्य विभाग

17. सल्तनत काल के दौरान, निम्नलिखित में से किसने संस्कृत के बारे में राय व्यक्त की, "यह एक पुरानी भाषा थी" और "आम लोग इसे नहीं जानते हैं; केवल ब्राह्मण ही जानते हैं?"
A) ज़ियाउद्दीन बरनी
B) इब्नबतूता
C) शेख अहमद सिरहिंदी
D) अमीर खुसरो

18. खिलजी और तुगलक शासकों ने सेनानायकों को सूबेदारों के रूप में नियुक्त किया जिन्हें _____ कहा जाता था।
A) इक्ता
B) सामंत
C) मुक्ती
D) खराज

19. इल्तुतमिश का शासन काल कब से कब था?
A) 1210 - 1228
B) 1210 - 1236
C) 1210 - 1235
D) 1210 - 1230

20. तुगलक की शासक अवधि कब से कब तक थी?
A) 1320 - 1417
B) 1320 - 1413/1414
C) 1315 - 1417
D) 1310 - 1412

21. गुलाम वंश का संस्थापक कौन था?
A) बेहराम शाह
B) गयासुद्दीन बलबन
C) कुतुबुद्दीन ऐबक
D) शम्सुद्दीन इल्तुतमिश

22. उनकी अवधि के अनुसार, दिल्ली सल्तनत के राजवंशों को उनके समयानुसार क्रमित कीजिए?
1. खिलजी वंश
2. दास वंश
3. सैय्यद वंश
4. लोदी वंश
A) 2, 3, 1, 4
B) 2. 1, 3, 4
C) 2, 1, 4, 3
D) 2, 3, 4, 1

23. 1299-1301 के दौरान मंगोलों के आक्रमण के समय दिल्ली का सुल्तान कौन था?
A) अलाउद्दीन खिलजी
B) मुहम्मद तुगलक
C) जलालुद्दीन खिलजी
D) फिरोज शाह तुगलक

24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. दिल्ली सल्तनत के राजस्व प्रशासन में, राजस्व संग्रह के प्रभारी को 'अमिल' के रूप में जाना जाता था।
2. दिल्ली के सुल्तानों की इक्ता प्रणाली एक प्राचीन स्वदेशी संस्था थी।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है/हैं?
A) केवल 1
B) केवल 2
C) 1 और 2 दोनों
D) न तो 1 और न ही 2

25. राज्य द्वारा प्रवर्तित नहर प्रणाली किसके द्वारा शुरू की गई थी?
A) गयासुद्दीन तुगलक
B) फिरोज तुगलक
C) मुहम्मद-बिन-तुगलक
D) बलबन

26. अलाउद्दीन खिलजी के शासन काल में 'खराज' की दर क्या थी?
A) उपज का 30%
B) उपज का 40%
C) उपज का 50%
D) उपज का 60%

27. उनकी दयालुता के लिए, निम्नलिखित में से किस सम्राट को "लाख बख्श" की उपाधि दी गई थी?

लेखक के बारे में

प्रतीक शिवालिक

10+ वर्षों का शिक्षक प्रशिक्षण अनुभव
DSSSB में ऑल इंडिया तीसरी रैंक
KVS में ऑल इंडिया चौथी रैंक
7 बार के CTET टॉपर
केंद्रीय विद्यालय पटियाला, तथा दिल्ली के सरकारी विद्यालय एवं सहायता प्राप्त सरकारी विद्यालयों में शिक्षक के रूप में कार्यानुभव

प्रतीक शिवालिक दिल्ली के सबसे प्रसिद्ध शिक्षक प्रशिक्षक (TEACHER TRAINER) हैं। वह 2013 से शिक्षक प्रशिक्षण (TEACHER TRAINING) के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। यहाँ तक कि दक्षिण भारत से भी छात्र उनसे पढ़ने आते हैं। वह अब तक हजारों शिक्षकों को प्रशिक्षित कर चुके हैं। वह केंद्रीय विद्यालय शिक्षक परीक्षा और साक्षात्कार की तैयारी में इतने सफल रहे हैं कि आपको भारत के प्रत्येक केंद्रीय विद्यालय में कम से कम एक शिक्षक ऐसा मिल जाएगा जो कभी न कभी उनका छात्र था। उनके द्वारा बनाई गई टेस्ट सीरीज़ अपनी गुणवत्ता के लिए जानी जाती है और छात्रों द्वारा भारत में सर्वश्रेष्ठ रेटिंग प्रदान की जाती है। उनके छात्रों ने KVS साक्षात्कार में 60/60 अंक (100% स्कोर) तक प्राप्त किए हैं। उनके छात्रों को DSSSB परीक्षा में पहली और दूसरी रैंक भी मिली है। उन्होंने खुद KVS में ऑल इंडिया चौथी रैंक, DSSSB में ऑल इंडिया तीसरी रैंक हासिल की है और 7 बार CTET टॉपर रहे हैं। आप उन्हें TELEGRAM और YOUTUBE पर भी खोज सकते हैं। इनका दिल्ली के केन्द्रीय विद्यालय, सरकारी विद्यालय एवं सहायता प्राप्त शासकीय विद्यालयों में एक शिक्षक के रूप में कार्यानुभव रहा है।

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें